RNI. No. CODE MPHIN/32455/

सच का तीर

मंगलम्

प्रधान संपादक-ॐ गिरी

हर ख़बर निशाने पर...

वर्ष 2 अंक 01 | खंडवा, 01 जनवरी 2017 | पृष्ठ-8 | मूल्य 2:50 रुपये

भिंड के राजा नवनीत भसीन अब करेंगे खंडवा को अपराध मुक्त

खंडवा

(श्री मंगलम्)- खंडवा में पुलिस अधिक्षक महेद्र सिंह सिकरवार के तबादले के बाद नवागत पुलिस अधिक्षक नवनीत भसीन ने अब खंडवा कि कमान संभाली हैं। नवागत पुलिस अधिक्षक के भिंड में सराहनीय कार्य को देखते हुए यहां कि जनता को भी यकीन हैं कि अब खंडवा जल्द ही अपराध मुक्त हो जायेगा। खंडवा में आते ही पुलिस अधिक्षक की सक्रियता ने कालीघोड़ी के जंगल में घोड़ापछाड़ नदी पर हुए डबल मर्डर केस को बहुत ही कम समय में खुलासा कर खुंखार आरोपियों को गिरफ्त में लिया। पहली पारी में ही नवागत पुलिस अधिक्षक नवनीत भसीन ने बड़ी सफलता हासिल की। आमतौर पर पब्लिक अफसरों को हटाने के लिए धरना-आंदोलन करती है, लेकिन भिंड के लोगों ने पुलिस अधिक्षक नवनीत भसीन के ट्रांसफर का विरोध किया था। लोगों ने पुलिस अधिक्षक के ट्रांसफर के विरोध में बाजार बंद रखा और लोग सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने लगे। ये लोग पुलिस अधिक्षक नवनीत भसीन का ट्रांसफर भिंड से नही चाहते थे। भिंड शहर के लोग, खासतौर से युवाओं ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर बाजार बंद रखे थे। इसका कारण यह था कि शहर के लोग नही चाहते थे कि उनके एसपी नवनीत भसीन का ट्रांसफर कर दिया जाए। बाकी पेज दो पर

कलेक्टर की नाक के नीचे चल रहा भ्रष्टाचार का खेल

कलेक्टर परिसर को बनाया कलेक्टोरेट कर्मचारियों ने भ्रष्टाचार का अड्डा

खंडवा।

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए देश के प्रधानमंत्री (भारत शासन) लगातार कड़े फैसले ले रहे हैं। वहीं शासन के नुमाइंदे भ्रष्टाचार करनें में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। कई मामलों में भ्रष्टाचार करने वाले शासकीय अधिकारी और कर्मचारी शासन कि राशि का दुरूपयोग कर गबन कर जाते हैं तो कई ऐसे मामले हैं जिसमें शासन कि नजर में काम कागज पर करवा दिया जाता हैं जबकि हकीकत में कोई काम नहीं होता हैं और मिलीभगत कर कुछ भ्रष्ट अधिकारी शासन के रूपयों कि बंदरबांट कर लेते हैं। कलेक्टोरेट परिसर में कलेक्टर कि नाक के नीचे खुलेआम भ्रष्टाचार किया जा रहा हैं भ्रष्टाचार करने वाले वह कलेक्टोरेट के ही कर्मचारी है। जो कलेक्टोरेट कर्मचारी कल्याण पारमार्थिक ट्रस्ट के नाम पर

कलेक्टर परिसर में ९ कार्यालयों के स्थान पर पार्किंग स्टेंड बनाये हुए हैं जो कि अवैद्य तरीके से पार्किंग के नाम से जिले कि जनता से अवैद्य वसूली कर रहे हैं। आप यह जानकर हैरान रह जायेंगे कि वह कलेक्टोरेट कर्मचारी कल्याण पारमार्थिक ट्रस्ट के अध्यक्ष कलेक्टर के स्टेनों ओ.पी. गायकवाड़ हैं और विधायक देवेन्द्र वर्मा के पी.ए. सेंगर इस ट्रस्ट के सचिव हैं। यह शासकीय कर्मचारी दबंगई से कलेक्टर कार्यालय के पते का इस्तेमाल कर अपने पाले हुए गुंडों से अवैद्य वसूली करवा रहे हैं। हैरानी कि बात तो यह हैं कि इस पार्किंग को करीब ८ से १० वर्षों से संचालित किया जा रहा हैं पर कलेक्टर परिसर एवं अन्य ९ कार्यालयों के अधिकारी इस अवैद्य धंधे को नजरअंदाज कर अनदेखा किये हुए हैं क्योंकि यह फर्जी ट्रस्ट कलेक्टर कार्यालय के पते का इस्तेमाल कर रहा हैं।

ट्रस्ट के अध्यक्ष ओ. पी. गायकवाड़ नें सूचना के अधिकार में नहीं दी जानकारी

सूचना का अधिकार अधिनियम २००५ के तहत् कलेक्टर कार्यालय से जानकारी चाही गई, तब कलेक्टर कार्यालय से आवेदन ट्रस्ट के अध्यक्ष ओ. पी. गायकवाड़ के पास अंतरित कर अध्यक्ष से जानकारी लेना सुनिश्चिंत कराया गया। बाकी पेज दो पर

स्थल सहायक विजयपाल सिंह भदौरिया ने शासन के नियम विरुद्ध सेंगशन करवाया उपयंत्री आवास गृह

खंडवा।

शासकीय कर्मचारी और अधिकारियों को उनके पद के अनुरूप शासन द्वारा सुविधाएँ मुहैया कराई जाती हैं। फिर भी शासकीय कर्मचारी, अधिकारियों की भूख और बढ़ती जाती हैं। लोक निर्माण विभाग संभाग खंडवा में भ्रष्टाचार के ऐसे कई उदारण देखे जा सकते हैं, जिसमें अधिकारी और कर्मचारी पूरी तरह से लिप्त हैं। लोक निर्माण विभाग संभाग खंडवा के उपसंभाग खंडवा में कार्यरत स्थल सहायक विजयपाल सिंह भदौरिया क्लास-३ का कर्मचारी हैं। जिसे स्थल सहायक पद के अनुरूप क्वार्टर मिलना चाइए था। परंतु शासन के नियम विरुद्ध जाकर खंडवा संभाग के आवंटन अधिकारी से स्थल सहायक विजयपाल सिंह भदौरिया नें उपयंत्री आवासगृह आवंटित करवाया हैं।

बाकी पेज दो पर

मामला पंधाना विकासखंड उद्यान अधिकारी के निलंबन का

उपसंचालक पर मनमानी का आरोप

खंडवा (श्री मंगलम्)- विकासखंड पंधाना में पदस्थ वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी अंतरसिंह कनौजी ने खंडवा जिले के उपसंचालक उद्यान विभाग पर षडयंत्र पूर्वक निलंबन करने का आरोप लगाया है। २६ दिसंबर को संचालक उद्यानिकी के आदेश अनुसार दिनांक २६ दिसंबर से निलंबित कर दिया गया है। आदेश में यांत्रीकरण योजनांतर्गत ट्रैक्टर विथ रोटावेटर के भौतिक सत्यापन पत्र अपूर्ण होने का उल्लेख किया गया है। जिला कार्यालय में १३ दिसंबर को प्रकरण प्रस्तुत करने में कमी थी, उसकी पूर्ति वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी द्वारा पुन: प्रकरण १४ दिसंबर को कार्यालय में प्रस्तुत किया गया था। उसके बावजूद उपसंचालक द्वारा मनमानी की गई और षडयंत्रपूर्वक पंचनामा संलग्न कर संचालक उद्यानिकी को अवगत कराया गया। जबकि वस्तुस्थिति यह है कि पंचनामा बाद की दिनांक में तैयार किया गया। जो बारिकी से अवलोकन करने पर स्पष्ट होता है। कृषक मुकेश चौबे के प्रकरण फाइल से भी महत्वपूर्ण दस्तावेज उपसंचालक द्वारा गायब कर दिये गये। कनौजी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि छैगांवमाखन वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी मोहन डोडवे भी बैठक में उपस्थित थे। बैठक के दौरान उपसंचालक द्वारा प्रकरणों का अवलोकन करने के बाद कुछ कमियों के कारण प्रतिवेदन फाइल पर फोटों को चस्पा करने के निर्देश अंकित करते हुए झटके के साथ मेरी कनौजी की ओर फाइल फेंक दी गई। कनौजी द्वारा कोई गालीगलौच नहीं की गई। उपसंचालक उद्यान एवं कनौजी के मध्य दिशा निर्देशित संबंधित चर्चा हुई थी।

पुलिस के मोबाइल नंबर अब छात्राओं के पास

कालमुखी (श्री मंगलम्)- कोई बदमाश, शरारती आपको रास्ते में परेशान करता है, कोई मजनू स्कूल परिसर में छेड़छाड़ करें या कोई मनचला आपको कक्षा के अंदर या स्कूल के अंदर छीटाकसी या व्यंग्य करता है तो पहले आप उसे समझाये, न समझे तो तुरंत आप हमारे मोबाइल नंबर पर सूचना दें या १०० नंबर डायल करें। आपको तुरंत पुलिस सहायता मिलेगी। पुलिस से आपको डरने की जरूरत नहीं।

उक्त समझाईश लालतलाई की उच्चतर माध्यमिक शाला में धनगांव थाना प्रभारी राधेश्याम मालवीय ने बालिकाओं को दी। प्रधान आरक्षक विनोद मेहना ने छात्रों से कहा कि कोई भी नाबालिग छात्र मोटर साइकिल ना चलाये, बालिग छात्र बगैर लायसेंस के वाहन न चलाये, तेज वाहन चलाना व तीन सवारी बैठाना उचित नहीं, हम इस बारे में ग्राम में कैंप लगाकर भी ग्रामीणों व पालकों को समझायेंगे। इस मौके पर प्रधान आरक्षक श्याम नारायण गिरी, स्कूल प्राचार्य सुंदरसिंह कनेल सहित सभी शिक्षकगण उपस्थित थे।

अस्पताल के गद्दों पर प्लास्टिक का कवर

हरसूद (श्री मंगलम्)- मुख्यालय का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विशेषज्ञ चिकित्सकों के अभाव में रोगियों को मूलभूत सुविधाएं देने में भी विफल है। हालात यह है कि अस्पताल के गद्दों पर प्लास्टिक का कवर देखा जा सकता है। कडकडाती ठंड में प्लास्टिक कवर चढे बिस्तर पर रोगियों का दर्द बढ जाता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में अव्यवस्थाओं का बोल बाला है। यहां भर्ती होने वाले मरीजों के द्वारा स्टॉफ से कबंल, चादर, तकिया मागने पर भी नहीं देना आम बात है। अस्पताल में वरिष्ट अधिकारीयों के निरीक्षण पर जो साफ-सफाई होती है। वह आम दिनों में कोसों दूर चली जाती है। अस्पताल का वाटर कूलर अर्से से बंद पडा है। ऐसी स्थिति में रोगियों को बाहर लगे नल या अपने घर से पानी लेकर आना पड़ता है। केन्द्र के स्टोर रूम प्रभारी अनिल पटेल ने बताया कि गद्दे, चादर और कंबल की अस्पताल में कोई कमी नहीं है। इसके बावजूद रोगियों को बिस्तर के लिए परेशान होना अचरज भरा है। अस्पताल में बिस्तरों की बदहाली पर स्टॉफ नर्स ,बार्डबाय से चर्चा में पता चला कि कुछ रोगी और उनके परिजनों द्वारा डिस्चार्ज के समय कंबल, चादर साथ ले जाते है। जिसके कारण अन्य मरीजों को परेशानी उठानी पड़ती है।

स्थल सहायक विजयपाल सिंह भदौरिया ने शासन के नियम विरुद्ध...

पहले पेज का बाकी

यह उपयंत्री आवास गृह, सह उपयंत्री कार्यालय एवं स्टोर रूम हैं। आई.टी.आई. परिसर में इस उपयंत्री आवासगृह को शासकीय आदेश के विरुद्ध जाकर आवंटन अधिकारी ने स्थल सहायक विजयपाल सिंह भदौरिया को आवंटित किया हैं। इस उपयंत्री आवासगृह में उपयंत्री ग्रिजेश शर्मा पद के अनुरूप निवास करते थे। परंतु स्थल सहायक भदौरिया की अधिकारियों से मिलीभगत होने के कारण उपयंत्री ग्रिजेश शर्मा का स्थानांतरण अन्य जिले में करवा दिया गया। जिसके बाद किसी को शक ना हो इसलिए स्थल सहायक शिंदे को उपयंत्री आवासगृह आवंटित कराया गया। स्थल सहायक शिंदे पर कुछ दिनों के बाद दबाव बनाकर लिखित में लेकर आवासगृह खाली करा लिया गया। उसके बाद स्थल सहायक विजयपाल सिंह भदौरिया ने अधिकारियों से मिलीभगत कर इस आवासगृह को आवंटित करा लिया। जिसके बाद विजयपाल सिंह भदौरिया ने उपयंत्री आवासगृह में मरम्मत के नाम से ४९६०० रुपये और विशेष मरम्मत के लिए ३२९००० रूपए की स्वी.ति अधिकारियों की मिलीभगत से कराई। उसके बाद से स्थल सहायक भदौरिया ने पद के विरुद्ध जाकर उपयंत्री आवासगृह पर अपना अधिकार जमा लिया। जो की शासन के नियम की अवेहलना दर्शाता हैं।

उपयंत्री कार्यालय पर भी भदौरिया ने डाला डेरा

आई.टी.आई. परिसर स्थित उपयंत्री आवासगृह, सह कार्यालय एवं स्टोर रूम हैं। गैर कानूनी तरीके से उपयंत्री आवास गृह के साथ उपयंत्री कार्यालय को भी स्थल सहायक भदौरिया ने अपना निवास बना लिया हैं। जिसे शासन के नियम अनुसार केवल उपयंत्री ही कार्यालय के लिए उपयोग कर सकता हैं। जबकि स्थल सहायक भदौरिया इस कार्यालय को भी आवास के लिए उपयोग कर शासन को चूना लगा रहा हैं। शासकीय कर्मचारी होकर भी शासन के नियमों कि अवेहलना कर भ्रष्टाचार करने वाले ऐसे कर्मचारी एवं अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की जानी चाइए।

उपयंत्री आवासगृह के समीप शिव मंदिर पर भी किया है कब्जा

आई.टी.आई. परिसर में स्थित उपयंत्री आवासगृह के पास सार्वजनिक शिव मंदिर बना हुआ हैं। यह शिव मंदिर आई.टी.आई. परिसर की भूमि पर बना हैं। इस शिव मंदिर को स्थल सहायक भदौरिया ने उपयंत्री आवासगृह का ही हिस्सा बना लिया हैं। उपयंत्री आवासगृह में स्थल सहायक भदौरिया के आने से पहले श्रद्धालु रोजाना दर्शन करने आते थे। परंतु स्थल सहायक भदौरिया ने सार्वजनिक शिव मंदिर को घेराबंदी कर गेट लगा दिया हैं और शिव मंदिर को उपयंत्री आवास गृह में सम्मिलित कर लिया हैं। जिस कारण श्रद्धालु अगर शिव मंदिर में दर्शन करने जाते हैं तो स्थल सहायक भदौरिया या उसके चौकीदार से परमिशन लेना पड़ता है। इस कारण कई श्रद्धालुओं ने शिव मंदिर को स्थल सहायक भदौरिया का घर समझकर जाना बंद कर दिया हैं। जबकि लोक निर्माण विभाग के मेप अनुसार उपयंत्री आवासगृह के दायरे में शिव मंदिर नहीं आता हैं। फिर भी स्थल सहायक भदौरिया ने आई.टी.आई. परिसर में सार्वजनिक शिव मंदिर पर अमानक रूप से अपना अधिकार जमा रखा हैं।

इनका कहना हैं -

स्थल सहायक को उपयंत्री आवासगृह क्यों आवंटित है इसकी जानकारी आपको डिविजन ऑफिस से मिल पायेगी। ऑफिस जाकर आप जानकारी ले लेना।

अधिक्षण यंत्री, श्री बी. के. चौहान

अभी मुझे इस संबंध मे कोई जानकारी नहीं है कि किसको कौन सा क्वार्टर अलॉट है और ना ही मेरे यहां से कोई क्वार्टर अलॉट होता है। बाकि अगर यहां से हुआ होगा तो दिखवा लेते है।

कार्यपालन यंत्री, श्री चुंडावत

भिंड के राजा नवनीत भसीन अब करेंगे खंडवा को अपराध मुक्त

पहले पेज का बाकी

सरकार ने भसीन का ट्रांसफर भिंड से खंडवा कर दिया है। कुछ लोग ट्रांसफर के विरोध में कलेक्टर इलैया राजा टी के बंगले के सामने भी जाकर बैठ गए थे।

अपराधो में कमी आना था विरोध का कारण

भिंड के लोगों का कहना था कि जब से नवनीत भसीन एसपी बने हैं, बदमाश गायब हो गए हैं और क्राइम ग्राफ नीचे गिर गया है। एसपी और कलेक्टर ने मिलकर काम किया और कई दशकों से भिंड में सक्रिय नकल माफिया को रोका और भिंड की बदनामी दूर की। यही नहीं राजनीतिक दल भी एसपी नवनीत भसीन के ट्रांसफर का विरोध कर रहे थे। वहीं एसपी नवनीत भसीन ने लोगों से आंदोलन नहीं करने के लिए आग्रह किया था।

कलेक्टर की नाक के नीचे चल रहा भ्रष्टाचार का खेल

पहले पेज का बाकी

इस ट्रस्ट के अध्यक्ष से ट्रस्ट के जानकारी कि सत्यापित छायाप्रतियों कि मांग कि तो अध्यक्ष गायकवाड़ ने दबंगई से कहा कि ''आप कलेक्टर मैडम से बात कर लो, आपको हम जानकारी नहीं देगें। केस करना हो तो केस कर दो सबसे निपट लेगे, पर हम पार्किंग स्टेंड ऐसे ही चलाते रहेंगे।'' जब सूचना का अधिकार अधिनियम २००५ के तहत् आवेदन प्रस्तुत किये जाने पर सत्यापित छायाप्रतियां नहीं प्राप्त हुई तब अपिल प्रस्तुत कि गई जिसके अपिलांट को अपिल कि तारीख नहीं दी गई। आयुक्त (राजस्व) ईंदौर संभाग इंदौर से सूचना के अधिकार के तहत् इस ट्रस्ट से संबंधित जानकारी मांगी गई, तब कमीश्नर के ऑर्डरशीट पर इस संबंध में जिले के अधिकारी जिला कलेक्टर को नोटिस भेजकर जानकारी उपलब्ध कराने के आदेश दिये। फिर सूचना का अधिकार के तहत् प्रथम अपिलीय अधिकारी, जिला कलेक्टर को अपील प्रस्तुत किये जाने पर राजस्व का नोटिस के साथ तारीख प्राप्त हुई। जहां ट्रस्ट के लेटर पेड पर ट्रस्ट का पता कलेक्टर कार्यालय का लिखा पाया गया। परस्तु प्रथम अपिलीय अधिकारी कलेक्टर द्वारा भी ट्रस्ट से संबंधित सत्यापित छायाप्रतियां प्रदान नहीं कराई गई।

गुंडे पालकर कर रहे ग्रामीण जनता से दो से चार गुना वसूली

कलेक्टोरेट कर्मचारी कल्याण पारमार्थिक ट्रस्ट के अध्यक्ष ओ. पी. गायकवाड़ कुछ गुंडे पालकर उनसे गुंडागर्दी कर पार्किंग के नाम पर अवैद्य वसूली करवा रहे हैं। इनका कहना हैं कि यह काम ऐसे थर्ड-क्लास लोग ही कर सकते हैं। कलेक्टोरेट कार्यालय और जिला न्यायालय में जिले के कि परेशान जनता न्याय के लिए आती हैं, जिन्हें पार्किंग के नाम पर इन पाले हुए गुंडों से सामना करना पड़ता हैं और संचालक राजू यादव और उसके साथी दो से चार गुना ज्यादा वसूली करते है। इस पार्किंग स्टेंड पर ना तो दर सूची लगाई गई हैं और ना ही स्टेंड का स्थान तय किया गया हैं। ज्यादातर इन गुंडों के शिकार ग्रामीण होते हैं। शासकीय दर अनुसार दो पहिया वाहन से पांच रूपये और चार पहिया वाहन से १० रूपये कि वसूली बनती हैं, पर इस पार्किंग के संचालक राजू यादव और उसके साथी जनता से १० रूपये से ३० रूपये तक कि वसूली करते हैं कोर्ट अथवा कलेक्टर में आयी पब्लिक अगर खाना खाने के लिए घर जाकर वापस आते हैं तो फिर उनसे स्टेंड का वाहन चार्ज वसूला जाता हैं और नहीं देने अथवा विरोध करने पर पार्किंग के गुंडें झूमाझटकी, बहस और धमकी देनें पर उतारू हो जाते हैं जिस कारण जनता को पैसे देनें पर मजबूर होना पड़ता हैं।

कलेक्टर परिसर के सभी कार्यालयों पर पार्किंग के नाम से कि जारी अवैद्य वसूली

कलेक्टर कार्यालय, जिला न्यायालय के सामनें, जिला पंजीयन कार्यालय, जिला पेंशन कार्यालय, जिला परामर्श केन्द्र, वन मंडलाधिकारी कार्यालय, लोक सेवा प्रबंधन विभाग कार्यालय, अभिलेखागार भवन और लोक सेवा केन्द्र कार्यालय में अनुमानित रोजना १०० से १५० वाहन आते हैं, जिनसे १० रूपये से लकर ३० रूपये तक वसूली कि जाती हैं। लगभग रोजाना ३००० से ५००० हजार रूपये कि वसूली होती हैं तो अनुमानित लगभग १ लाख रूपये मासिक से ज्यादा का चूना यह ट्रस्ट राजस्व को लगा रहा हैं। ट्रस्ट के सचिव सेंगर ने बताया कि जब कलेक्टर कियावत साहब थे तब से ही यह ट्रस्ट चल रहा हैं और पार्किंग द्वारा कलेक्टर परिसर में वसूली कर रहा हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता हैं कि कितने लाखो का राजस्व चूना ये शासकीय नुमाइंदे लगा चुके हैं।

कलेक्टोरेट कर्मचारी ठेके और वसूली कि रकम से भर रहे जेब, नियमानुसार होनी चाहिए नीलामी

शासन के नियम अनुसार कलेक्टर जिला न्यायालय और अन्य कार्यालय जहां पर कलेक्टोरेट कर्मचारी पारमार्थिक ट्रस्ट ने पार्किंग के लिए कब्जा किया हुआ हैं। शासन के नियमानुसार यहां ऑनलाइन या ऑफलाईन टेंडर आमंत्रित किया जाना चाहिए, जिससे अन्य लोगों को भी इस टेंडर कि निलामी में भाग लेने का मौका मिलें औरश्शासन का राजस्व भी अधिक से अधिक प्राप्त हो सकेगा। इस राशि से शासन के साथ जनता को भी इसका फायदा होना चाहिए। ये शासन के नुमाइंदे शासकीय कर्मचारी होकर भी शासन को दमदार तरीके से चुना लगा रहे हैं। शासन के हक कि राशि को दबंगई से बंदरबांट कर अपनी जेब भर रहे हैं। कलेक्टोरेट कर्मचारी कल्याण पारमार्थिक ट्रस्ट के अध्यक्ष ओ. पी. गायकवाड़ और सचिव सेंगर का कहना हैं कि यहां से आने वाल पैसा शासकीय कर्मचारियों के कल्याण के लिए वसूल किया जाता हैं। जब इस संबंध में सूचना के अधिकार २००५ के तहत् जिन शासकीय कर्मचारियों को इस ट्रस्ट के पैसे से कल्याण किया गया उनकी सत्यापित छायाप्रतियां कि मांग कि गई तो वह उपलब्ध कराने में असमर्थ रहे। कलेक्टर कार्यालय द्वारा जिले में हो रहे भ्रष्टाचार को खत्म किया जाता हैं परन्तु कलेक्टोरेट के कर्मचारी ही इस प्रकार का भ्रष्टाचार कर रहे है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता हैं कि जब कलेक्टर परिसर ही भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ हैं तो जिले के अन्य कार्यालयों से भ्रष्टाचार को कैसे खत्म किया जा सकता हैं। ऐसे अधिकारी और कर्मचारियों को जो शासन के नुमाइंदे होकर शासन को पलीता लगा रहे हैं और भ्रष्टाचार कर अपनी जेब भर रहे हैं। इन्हे निलंबित कर सख्त कार्यवाही कि जाना चाहिए। ताकि देश में

इनका कहना है-

कलेक्टोरेट कर्मचारी कल्याण पारमार्थिक ट्रस्ट के लेटर पेड पर लिखे कलेक्टर कार्यालय का पता हटा दिया जायें। इस ट्रस्ट को कलेक्टर परिसर में अलाउ नही किया जायेगा। कलेक्टर कार्यालय का इस ट्रस्ट से कोई संबंध नही है।

कलेक्टर, श्रीमति स्वाती मिणा नायक

रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता के फायनल मैच में हरदा को पटखनी देकर खंडवा ने रहा विजयी

खिरकिया (श्री मंगलम्)- सिटी इलेवन क्रिकेट क्लब द्वारा स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पर शिक्षक स्व. नरेन्द्र अवस्थी (कल्लू सर) की स्मृति मे आयोजित किए जा रहे रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का फायनल मैच समीर क्रिकेट क्लब करताना एवं आरसीसी खंडवा के मध्य खेला गया। करताना ने ८ ओवरो मे ९४ रन बनाऐ। जबाब ने आरसीसी लक्ष्य हासिल नही कर सकी। करताना के बल्लेबाज दिलीप पाठक ने १३ गेंदो पर ३१ रन की पारी खेली। सिटी इलेवन के कप्तान इरशाद अली ने बताया कि प्रदीप (किटटी) पटेल हरदा द्वारा करताना को २१ हजार रूपए प्रथम पुरूस्कार प्रदान किया गया। वही आरसीसी खंडवा को द्वितीय पुस्कार ११ हजार रूपए नगर विकास समिति द्वारा प्रदान किया गया। वही तृतीय पुरूस्कार ५ हजार ५५५ पंकज सांड द्वारा इरफान मेमोरियल क्लब टिमरनी एवं खरगोन क्लब को संयुक्त रूप से दिया गया। मुख्य अतिथि रामस्वरूप शर्मा, विशेष अतिथि संतोष यादव, आशीष अग्रवाल, मो. इस्माईल, पंकज सांड, भरत हेडा द्वारा टीमो को पुरूस्कार प्रदान किया गया। इसके पूर्व प्रतियोगिता का प्रथम सेमीफायनल खरगोन एवं करताना के मध्य खेला गया। जिसमे करताना ने १५ रन से मैच मे जीत दर्ज की। जिसमे मैन आफ द मैच रूपेश शर्मा रहे। द्वितीय सेमीफायनल टिमरनी एवं खंडवा के मध्य खेला गया। जिसमे खंडवा ने ६ विकेट से मैच जीता। वही क्वार्टर फायनल मैच सिटी खिरकिया एवं आरसीसी खंडवा के मध्य खेला गया। जिसमे आरसीसी ने जीत दर्ज कर फायनल मे स्थान बनाया था।

खिलाडी के प्रदर्शन पर दिए पुरूस्कार

सिटी क्लब द्वारा श्रेष्ठ व अनुशासित टीम का पुरूस्कार दबंग लौहार को दिया गया। वही मैन आफ द सीरीज करताना के रूपेश शर्मा को दीपक प्रजापत द्वारा एंड्राइड मोबाईल प्रदान किया गया। वही संजू यादव द्वारा मैन आफ द मैच फायनल व चेतन चौहान द्वारा प्रतियोगिता का श्रेष्ठ गेंदबाज अमित को दिया गया। अरसाईद खान द्वारा श्रेष्ठ बल्लेबाज एवं सिमरन भाटिया द्वारा सर्वाधिक छक्के लगाने का पुरूस्कार रूपेश शर्मा, शेख रमजान द्वारा श्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक सददाम खंडवा, बाबा राजपूत द्वारा श्रेष्ठ आलराउंडर दिलीप सिंधिया खंडवा को दिया गया। श्रेष्ठ अंपायर रणजीत विश्नोई एवं श्रेष्ठ कमेंटेटर रमेश विश्वकर्मा को चुना गया। सभी खिलाडियो को शील्ड प्रदान कर पुरूस्कृत किया गया।

हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी विद्यालयों में बताया विज्ञान का जादू

खिरकिया (श्री मंगलम्)- विकासखण्ड की 22 हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी विद्यालयों के कक्षा 9वी में अध्ययनरत् दो-दो विद्यार्थियो द्वारा उ.त.ष्ट विद्यालय खिरकिया में जादू नही विज्ञान है, विषय पर रासायनिक तत्वों के प्रयोग से अनेक प्रकार के जादू दिखाये गये। जिनमे हवन कुण्ड मे हवन सामग्री व् घी डालते ही आग लगना, नारियल पर पानी सींचते ही आग लगना, कोरे कागज पर पानी सींचकर अक्षर उभारकर भविष्य बताना तथा भूत-पलीत का साया बताकर, बाबा-भोमका और ओझाओं द्वारा ना समझ व् मुसीबतों में फंसे लोगों को किस तरह मुर्ख बनाया जाता है, इन सबके पीछे रहस्योग का पर्दाफाश किया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों के प्रदर्शन पर उन्हें पुरुस.त किया गया। जिसमे प्रथम स्थान पर हाईस्कूल जिनवान्या, द्वितीय स्थान पर हायर सेकण्डरी स्कूल पीपल्या तथा तृतीय स्थान पर शासकीय हाई स्कूल दीपगाँव को दिया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य बी. एल. उइके, श्री मनोज झिंगन, कार्यक्रम संयोजक शरीफ खान एवं रिसोर्स पर्सन सी. जी. निमारे तथा विद्यालय स्टॉफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक संतोष मालवीय ने किया एवं आभार गजराज गौर ने व्यक्त किया।

पूर्व सरपंच की मनमानी से ग्रामीण परेशान, शासकीय योजनाओं से कर रहा खुद का फायदा

खंडवा, सिंगोट (श्री मंगलम्)- ग्राम पंचायत सिंगोट के पूर्व सरपंच हरेराम पटेल का कार्यकाल 2007 से 2012 तक रहा। उस समय बस स्टेंड पर कृषि विस्तार अधिकारी का भवन था, जिसे पूर्व सरपंच ने अपने निजी स्वार्थ के लिए तोड़ दिया और गांधी कॉम्प्लेक्स में 6 दुकाने निकाली। जिन्हे ग्रामीणों ने गांव के भविष्य को देखते हुए अच्छा सरपंच साबित होंगे यह सोचकर चूना । परन्तु ग्रामीणों को नही मालूम था कि यह सरपंच भी भ्रष्टाचार के आगे ग्रामीणों कि एक ना चलने देगा। अगर सरपंच ग्रामीणों के हित में सोचता तो भवन को तोडकर जो दुकानें षासकीय धन से बनाई है उसे ष्षासकीय नियमानुसार निलामी कर ग्रामीणों को भी व्यापार करने के लिए अवसर मिल पाता। सरपंच ने प्रशासकीय स्वी.ति से गांधी कॉम्प्लेक्स में 6 दुकाने निकाली है और मुख्य दुकान पर अपना बैंक ऑफ इंडिया का कियोस्क सेंटर डाल दिया।

घर बैठे व्यवसाय का प्रलोभन देकर ग्रामीण महिलाओं को लूटा

खिरकिया (श्री मंगलम्)- ग्रामीण महिलाओ को स्वयं के व्यापार व्यवसाय के लिए ऋण उपलब्ध कराने को लेकर एक जालसाज द्वारा ८००-८०० रूपए लेकर हजारो रूपए ठग लिए गए। ठग द्वारा स्वयं को धनलक्ष्मी कंपनी का एजेंट बताकर यह राषि ली गई, लकिन जब उस जालसाज की हकीकत पता तो महिलाओ न तो धन मिला और न ही लक्ष्मी मिल सकी और अपने मेहनत की कमाई ठग को भी ठग के सुपुर्द कर बैठे। यह तो गनीमत रही कि चार गांव की महिलाओ को ठगने के बाद पांचवे ग्राम दीपगांव पहुंचा तो जागरूक ग्रामीण महिलाओ की सूझबूझ और सक्रियता के चलते आरोपी धरा गया। मामला थाना छीपाबड अंतर्गत आने वाले ग्राम टेमलावाडीमाल, टेमलावाडी रैयत, रामटेक रैयत, सोमगांवकलां मे ग्रामीण महिलाओ से ठगी है। आरोपी द्वारा इन ग्रामो से ७६ महिलाओ को ठगी का षिकार पैसे ऐंठे गए है। आरोपी द्वारा ग्रामो मे अलग अलग नाम भी बताए गए। जिसमे कुछ ग्रामो मे अषोक तो कुछ मे अनिल नाम भी बताया गया। मामले मे पुलिस द्वारा आरोपी को हिरासत मे लेकर जांच कर प्रकरण कायमी की तैयारी की जा रही है। पुलिस को आरोपी के पास से प्राप्त हुए मतदाता परिचय पत्र एवं आधार कार्ड मे उसका नाम महेष मालवीय एकता नगर देवास होना पाया गया।

लोन स्वी.ति के नाम पर प्रत्येक से लिए 800

ठग द्वारा स्वयं को धनलक्ष्मी फायनेंस कंपनी हरदा प्रतिनिधि बताकर २७ एवं २८ दिसंबर व इसके पूर्व ग्राम सोमगांव कलां, रामटैक रैयत, टेमलावाडी माल एवं टेमलावाडी रैयत की ७६ महिलाओ को निजी काम, व्यापार, व्यवसाय के नाम पर प्रति महिला को ३०-३० हजार रूपए दिलाने के नाम पर प्रति महिला से समूह पंजीयन, बीमा एवं फाईल चार्ज के नाम पर ८००-८०० रूपए वसूले और २ जनवरी को लोन स्वी.त कर राषि दिलाए जाने की बात कही। जिसके बाद महिलाओ द्वारा समूह लोन की स्वी.ति के लिए जालसाज की बातो मे आकर ग्रामीण महिलाओ ने ८०० रूपए प्रति महिलाए के अनुसार राषि फर्जी एजेंट को सौंप दी।

और यहां काम नही आयी जालसाजी

फर्जी जालसाज एजेंट की करतूत दीपगांव की ग्रामीण महिलाओ की सतर्कता के चलते सरेआम हो गई। जब आरोपी द्वारा सोमगांव से महिलाओ से पैसे ऐठने के बाद 28 दिसंबर को दीपगांव मे महिलाओ को ऐठने के लिए पहुंचा तो ग्राम मे पूर्व मे धनलक्ष्मी कंपनी से लोन ले चुकी महिलाओ का इस फर्जी एजेंट से सामना हुआ। महिलाओ को शंका होने पर महिलाओ द्वारा हरदा धनलक्ष्मी कार्यालय मे इस एजेंट का नाम बताते हुए लोन स्वी.ति के नाम पर राषि लिए जाने से अवगत कराया। जिस पर कंपनी ने इस प्रकार के एजेंट की नियुक्ति से इंकार किया और कंपनी द्वारा महिलाओ को एजेंट को अपनी बातो मे घेरकर रखने को कहा। जिसके बाद कंपनी के नियुक्त असल एजेंटो द्वारा मौके पर पहुंचकर सिराली पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद सिराली पुलिस ने मौके पर आरोपी को धर दबोचा। फर्जी एजेंट को ग्रामीण महिलाओ से वसूली राषि लगभग 13 हजार 700, धनलक्ष्मी कंपनी के नाम से ब्रांच मैनेजर फर्जी आईडी कार्ड, सील, मोटर साईकिल क्र. एमपी 41 एमएल 6694, व चार मोबाइल भी बरामद हुए है। छीपाबड थाने मे 29 दिसंबर को सोमगांव, रामटेक, टेमलावाडी मे ठगी का षिकार हुई महिलाओ द्वारा षिकायत किए जाने पर सिराली पुलिस ने आरोपी को छीपाबड पुलिस के सुपुर्द किया। मामले मे छीपाबड पुलिस द्वारा 76 महिलाओ से ठगी होने की शिकायत प्राप्त हुई है।

कोरियोग्राफर अभिषेक गिरी खंडवा के युवाओं को दे रहे नया भविष्य

जिले में लगा हैं फर्जी डॉक्टरों का अम्बार

ग्रामीणों की जान से खेलकर कर रहे धन की उगाही

अफसरों और नेताओं से सेटिंग कर धड़ल्ले से चला रहे अपना गोरखधंधा

खंडवा।

फर्जी डॉक्टरों का स्वास्थ विभाग के अफसरों से सेटिंग का दावा सही साबित हो रहा हैं। यही वजह हैं की खंडवा जिले में फर्जी डॉक्टर न केवल क्लीनिक खोलकर बैठे हैं बल्कि इलाज के नाम पर बच्चों, गृहणियों और बुजुर्गों की जान से खिलवाड़ भी कर रहे हैं। इनके पास अधिक मात्रा में सिलाइन, इंजेक्शन और नामी गोली, दवाइयां हमेशा मौजूद होती हैं। यह फर्जी डॉक्टर हर बीमारी का इलाज वही नामी दवाइयां देकर इलाज करते हैं। बिना किसी मेडिकल शिक्षा और ज्ञान के ग्रामीणों से दवाई, इंजेक्शन और सिलाइन का मुंह माँगा चार्ज वसूलते हैं। क्योंकि इन फर्जी डॉक्टरों का काम मरीज की जान बचाने से बढ़कर पैसा कमाना होता हैं, जिसके चलते ये ज्यादा से ज्यादा मात्रा में लोगों को दवाइयां देने से बेहतर इंजेक्शन या सिलाइन लगाने का काम करते हैं। जिससे ये मरीज से ज्यादा पैसा ऐंठ सकें फिर भी इन फर्जियों का खेल यही खत्म नहीं होता। इन फर्जी डॉक्टरों के इलाज से ग्रामीण स्वस्थ तो नहीं होते बल्कि लगातार बीमार होने लगते हैं और इन फर्जी डॉक्टरों कि दुकानदारी चलती रहती हैं। जब तक मासूम ग्रामीण मरीज की दुर्दशा खराब नहीं हो जाये तब तक उसका इलाज कर इन ग्रामीणों से धन उगाही करते रहते हैं। अगर कोई ग्रामीण या अन्य लोग इन फर्जी डॉक्टरों की शिकायत स्वास्थ विभाग में करते हैं तो यह फर्जी डॉक्टर भाजपा नेताओं से अपनी पहचान बताकर या फिर नेताओं की धमकी देकर और उनसे बात करवाकर कार्यवाही होने से बच जाते हैं। नेता, अधिकारियों पर दबाव बनाकर कार्यवाही होने से पहले ही इनका धंधा फिर जोर शोर से वापस शुरू करवा देता हैं। जिससे इन फर्जी डॉक्टरों के हौसले भी और बुलंद हो जाते हैं और नेताजी की जेब भी भरती रहती हैं।

ये फर्जी डॉक्टर इन गांवों में कर रहे ग्रामीणों की जान से खिलवाड़

गुड़ी में बैठा फर्जी डॉक्टर सचिन सुरेश पंवार

खंडवा जिला न्यायालय से 30 किलोमीटर ग्राम गुड़ी में सिरपुर चोपड़ा निवासी सचिन सुरेश पंवार फर्जी तरीके से क्लिनिक संचालित कर रहा है। यह गुड़ी में आकर कई वर्षो से इस धंधे को अंजाम दे रहा है। गुड़ी में ही रहकर 24 घंटे ग्रामीणो का उपचार करता है और भोले-भाले ग्रामीणो कि जान से खिलवाड़ कर अपनी जेब भरने में मगन रहता है। इस फर्जी के क्लीनिक पर इंजेक्शन और सिलाईन का अंबार लगा रहता है। साथ ही इसके क्लीनिक पर 5 से 6 मरीजो को एक साथ सिलाइन चढ़ाने के लिए बैड की भी व्यवस्था कर रखी है। आसपास के ग्रामीणो के 10 से 11 माह के बच्चो को भी बिना किसी मेडिकल शिक्षा और ज्ञान के बेदर्दी से इंजेक्शन लगाता है और बुजुर्गो को सिलाइन चढ़ाकर धन कि उगाही करता है। फर्जी डॉक्टर सचिन सुरेश पंवार गुडी में क्लीनीक खोलकर फर्जी तरीके से डॉक्टर बनकर बैठा हुआ है। हमारे संवाददाता द्वारा पूछने पर फर्जी डॉक्टर ने ठम्डै कोर्स करना बताया, परन्तु डिग्री और क्लीनीक का पंजीयन होना पूछने पर डीग्री अभी उपलब्ध नही होना बोलकर टाल दिया।

सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार इसके पूर्व भी शासकीय कार्यवाही इस फर्जी डॉक्टर पर कि गई थी, परन्तु कुछ दिन क्लिनिक बंद रखने के बाद फिर से इस धंधे को उसी जगह फर्जी डॉक्टर ने करना शुरू कर दिया।

पटाजन में फर्जी डॉक्टर एस. के. बक्शी

खंडवा जिला न्यायालय से 60 किलोमीटर ग्राम पटाजन में एस. के. बक्शी फर्जी तरीके से क्लिनिक संचालित कर रहा है। यह फर्जी बंगाली डॉक्टर कलकत्ता से आकर यहां क्लिनीक को अंजाम दे रहा है। पटाजन में 3 वर्षो से यह फर्जी डॉक्टर ग्रामीणो के स्वास्थ के साथ खिलवाड़ कर अपनी जेब भर रहा है। ग्रामीणो को सिलाईन, इंजेक्शन लगाने में भी यह फर्जी डॉक्टर बाज नही आता। संवाददाता से बातचीत के दौरान क्लीनिक का पंजीयन नही होना बताकर क्लीनीक चला रहा है। कोर्स पूछने पर ठम्डै करना बताया। जबकि डिग्री उपलब्ध नही होना बोलकर क्लिनीक का शटर गिराकर भाग गया। इस फर्जी डॉक्टर एस. के. बक्शी ने इसके पूर्व भी शासकीय कार्यवाही के दौरान क्लिनीक बंद कर दिया था, पर कुछ दिन बाद फिर से क्लिनीक शुरू कर दिया।

जावर में फर्जी डॉक्टर प्रवीण जांगरे चला रहा क्लिनिक

खंडवा जिला न्यायालय से 18 किलोमीटर पर ग्राम जावर में प्रवीण जांगरे क्लिनिक संचालित कर रहा है। क्लिनिक पर अत्यधिक मात्रा में दवाइयां और इंजेक्शन भी उपलब्ध रहते है, क्लीनीक के साथ इंजेक्शन और अन्य मेडिकल दवाइयां भी बेचने का धंधा करता है। प्रवीण जांगरे से पंजीयन और कोर्स कि जानकारी पूछने पर संवाददाता को अपनी पहुंच और पहचान के बारे में बताकर जानकारी देने से इंकार कर दिया और स्वास्थ केंद्र में डॉक्टर उपलब्ध कराने में समझाईश देने लगा। श्री मंगलम् टीम जब जावर स्वास्थ केन्द्र में पहुंचे तो वहां पर डॉक्टर सहीत सभी स्टॉफ उपस्थित मिले। जावर स्वास्थ चिकित्सालय में डॉ. दिनेश सिंह, ड्रेसर दिपचंद चौधरी, वाहन चालक नंदराम नीरज और नर्स रश्मि पटेल उपस्थित मिले। जिनसे ग्रामीणो के उपचार संबंधित जानकारी लेने पर पूरा स्टॉफ जावर ग्राम के फर्जी डॉक्टर प्रवीण जांगरे से नाराज दिखाई दिये और बताया कि प्रवीण जांगरे अपना धंधा जमाने के लिए गांव के कुछ लोगो को भेजकर हमें परेशान करवाता है और उसके भेजे हुए लोग जबरदस्ती हमसे इंजेक्शन और सिलाईन लगाने के लिए प्रेशर देते है जबकि बिना बिमारी के किसी को इंजेक्शन या सिलाइन कैसे लगा सकते है। यह कृत्य प्रवीण जांगरे हमें परेशान करने के लिए कुछ शराबी ग्रामीणो से करवाता है ताकि हम परेशान होकर यहां से ट्रांसफर ले ले और फर्जी डॉक्टर प्रवीण जांगरे अपने धंधे को आसानी से बढ़ा सके।

फर्जी डॉक्टर राजेन्द्र सिंह सोलंकी अब

खंडवा जिला न्यायालय से खंडवा मुंदी रोड पर 23 किलोमीटर ग्राम तलवाड़िया में फर्जी डॉक्टर राजेंद्रसिंह सोलंकी अब समय बदलकर क्लिनीक संचालित कर रहा है। फर्जी डॉक्टर राजेंद्र सिंह सोलंकी कि श्री मंगलम् लाईव न्यूज पर खबर प्रकाशित कि गई थी। जिसके बाद फर्जी डॉक्टर ने श्री मंगलम् लाईव न्यूज के नम्बर पर फोन करके गाली-गलौच कर धमकी दी थी। जिसकी शिकायत पुलिस अधिक्षक कार्यालय और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी कार्यालय में दर्ज कराई गई थी। जिसका नोटिस पुलिस अधिक्षक द्वारा जावर थाने और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी द्वारा जावर ब्लाक के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल तंतवार को उक्त चिकित्सक के डिग्री की जांच कर कार्यवाही करने के आदेश देकर जांच रिपोर्ट 3 दिन में प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया था। जिसके बाद फर्जी डॉक्टर ने बोर्ड पर से नाम के आगे से डॉक्टर शब्द सफेद रंग से पुतवा दिया और क्लिनिक का समय बदलकर चला रहा है और क्लीनीक के पहले के समय सुबह 11 से शाम 5 बजे तक अब फर्जी डॉक्टर राजेन्द्र सिंह सोलंकी आसपास के ग्राम में दौरा कर ग्रामीणो का इलाज कर ग्रामीणो कि स्वास्थ के साथ खिलवाड़ कर रहा है।

आखिर क्यों नहीं कसी जा रही फर्जी डॉक्टरो की लगाम

सोचने कि बात यह है कि इन फर्जी डॉक्टरो के उपर आखिर किसका हाथ है, जिससे ये फर्जी होने के बाद भी कार्यवाही होने से रोक देते है और अपने इस गोरखधंधे को फला-फुला रहे है। श्री मंगलम लाइव न्यूज द्वारा जावर ब्लॉक के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल तंतवार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी डॉक्टर अवास्या के संज्ञान में इन फर्जी डॉक्टरो के बारे में मौखिक और लिखित रूप से बताया गया है। उसके बावजूद भी खंडवा जिले में लोगो की जान से खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप फर्जी डॉक्टरो पर शिकंजा कसता नजर नही आ रहा है। स्वास्थ विभाग ने अभी तक कुछ ही लोगो पर कार्यवाही की है फिर भी यह फर्जी डॉक्टर अलग-अलग तरीके आजमाकर अपने धंधे को अंजाम दे रहे है। कई फर्जी डॉक्टर अभी भी गांव में इलाज कर बिना किसी डर के अपना क्लीनिक धड़ल्ले से संचालित कर ग्रामीणो की जान पर खतरा बने बैठे है, जिन पर स्वास्थ विभाग को शिप*जा कसना जरूरी है नही तो ऐसे फर्जी डॉक्टरो कि संख्या में बढ़ोतरी होना वाजिब है।

इनका कहना है -

मेरे द्वारा जांच अधिकारी नियुक्ति किया गया था। राजेन्द्र सिंह सोलंकी पर क्या कार्यवाही की गई है, पूछ कर ही बता पाउंगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी
डॉ. जे. एस. अवस्या

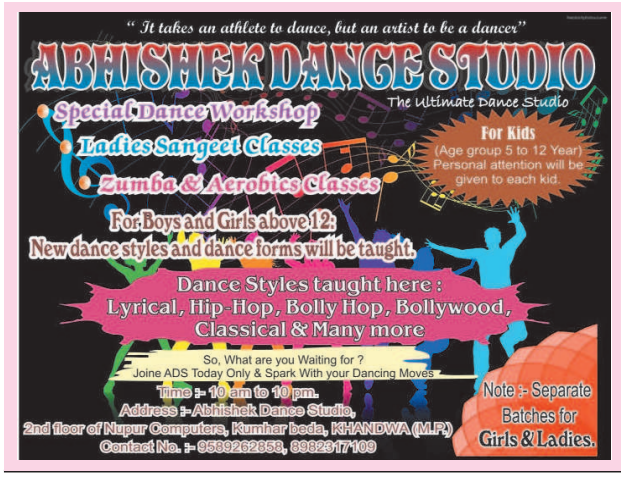

कोरियोग्राफर अभिषेक गिरी खंडवा के युवाओं को दे रहे नया भविष्य

खंडवा (श्री मंगलम्)- किशोर दा कि नगरी खंडवा में कला का बहुत महत्व हैं इस कला की नगरी में कई प्रकार कि प्रतिभा लेकर युवा अपना भविष्य तय करते हैं। जरूरी यह हैं कि युवाओं को बेहतर प्लेटफार्म मिले। कई युवा बेहतर के लिए चाहत तो बहुत रखते हैं परन्तु प्लेटफार्म ना मिलने के कारण भविष्य में भटक जाते हैं। सपने देखना कोई गुनाह नहीं हैं पर सपनों को पूरा करने के लिए लगन और मेहनत जरूरी होता हैं। ऐसा ही प्लेटफॉर्म खंडवा के होनहार युवा अभिषेक गिरी दे रहे हैं। किशोर दा कि नगरी में अभिषेक डांस स्टुडियो युवाओं को ऐसा ही मंच प्रदान कर रहा हैं यहां से शहर के युवा अपनी लगन से प्रशिक्षण लेकर सपनों को साकार कर भविष्य में सफल हो सकेगें। अभिषेक डांस स्टुडियो में प्रशिक्षण लेकर युवा अपने सपनों को वह उड़ान दे सकते हैं जो वह कल्पना करते हैं। अभिषेक डांस स्टुडियो शहर में कई प्रकार से इंवेट भी ऑर्गनाइज करता हैं। स्टेट और नेशनल लेवल पर होने वाली प्रतियोगिताओं में भी अभिषेक डांस स्टुडियो के युवा हिस्सा लेते हैं। अभिषेक डांस स्टुडियो द्वारा स्कूल-कॉलेज के एनुअल फंशन और महिला संगीत भी ऑर्गनाइज कराता हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और रेगुलर क्लासेस के अलावा श्शादी संगीत भी अरेंजमेंट कराते हैं। अभिषेक डांस स्टुडियो शहर में हो रही गतिविधियों में भी हिस्सा लेता हैं। डांस स्टुडियो के कोरियोग्राफर अभिषेक गिरी ने कहा कि खंडवा के किशोर दा ने जैसे अपने हुनर से खंडवा का नाम पूरी दुनिया में जिस प्रकार फेमस किया हैं वैसे ही कलाकार इस स्टुडियो से तैयार करना ही मेरा लक्ष्य हैं ताकि किशोर दा कि इस नगरी में उनके सपनों को आज के युवा साकार कर सकें।

आज से थम जारोगे इतिहास के पहिए, मीटरगेज ट्रेन यादें देकर कह गई

अलविदा

हर एक शख्स याद रखेगा वो छुकछुक वाली मीठी यादों का सफर

खंडवा (श्री मंगलम्)-

मध्य प्रदेश के खंडवा से इंदौर तक मीटर गेज पर चलने वाली पैसेंजर ट्रेन इतिहास का हिस्सा बनने जा रही है। ये ट्रेन खुद अपने आप में लंबा इतिहास समेटे हुए है। ये ट्रेन इतनी पुरानी है कि कई लोगों के जज्बात भी इससे जुड़े हुए हैं इसीलिए इसके बंद होने पर लोग दुखी हैं। इस ट्रेन को नए साल से चलाना बंद कर दिया जाएगा। दरअसल रेल्वे इस ट्रैक को मीटर गेज से ब्रॉड इसका काम भी शुरू हो चुका है जिसकी वजह से सालों से लोगों को उनकी मंजिल तक पहुंचा रही इस पैसेंजर ट्रेन के पहिए थम जाएंगे।

क्या है इतिहास?

डेढ़ सौ साल पहले हैदराबाद के निजाम और इंदौर के होलकर राजा ने उस समय अंग्रेजों को १० लाख रु देकर इस मीटर गेज लाइन को डलवाया था। निजाम चाहते थे कि उनकी रियासत के लोगों को अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह तक जाने की सुविधा मिल जाए। वहीं होल्कर राजा इंदौर को महाराष्ट्र होते हुए हैदराबाद तक कारोबार के नजरिए से जोड़ना चाहते थे। १८६६ में पहली बार हैदराबाद से इंदौर तक ये ट्रेन चली जिसे बाद में अजमेर तक बढ़ाया गया।

मात्र 2 रुपये में गांव से शहर

अकेले खंडवा जिले से रोजाना औसत ढाई हजार यात्री इन ट्रेनों से सफर करते हैं, जो खंडवा से इंदौर के बीच दर्जनों गांव के लोगों के लिए जीवन रेखा की तरह थी। सबसे अहम बात ये थी कि पैसेंजर ट्रेन होने की वजह से इसका किराया भी बहुत कम था महज दो रुपए अदाकर लोग गांव से शहर तक पहुंच जाते हैं। आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि खंडवा से इंदौर तक का इसका किराया महज २५ रुपए है जबकि बस से जाने पर यही किराया १५० रुपये लगता है।

छोटी लाईन के रास्ते में कुछ व्यंजन भी हैं बहुत लजीज कालाकुड का कलाकंद

इस ट्रैक पर सबसे अधिक लुभाने वाली कोई चीज है तो वह है कालाकुंड का कलाकंद। इसका स्वाद दूर-दूर से लोगों को यहां तक खींच लाता है। महू के समोसे-कचौरी भी प्रसिद्ध हैं।

निमाड़खेड़ी वाली कड़क चाय

खंडवा से इंदौर के बीच निमाड़खेड़ी की चाय काफी प्रसिद्ध रही है। आती-जाती ट्रेन के यात्री अगर यहां चाय न पीए तो लगता था सफर पूरा ही नहीं हुआ। क्रॉसिंग के दौरान ट्रेन यहां ज्यादा देर रुकती थी। यहां कभी यात्रियों को कुल्हड़ में चाय दी जाती थी।

चटपटा चिवड़ा और नमकीन

बड़वाह का चिवड़ा और नमकीन भी अपने स्वाद के लिए प्रसिद्ध रहा है। २४ घंटे यात्रियों को चिवड़ा आसानी से उपलब्ध हो जाता है। यहां के कुछ ब्रांड अपनी क्वॉलिटी के लिए फेमस है। इसलिए कहते हैं कि जब तक यहां का चिवड़ा न खरीद लो यात्रा पूरी ही नहीं होती है।

बदलेगी समय सारणी और लोग होगें सफर से वंछित

खंडवा-सनावद रेलवे ट्रैक के ब्रॉडगेज परिवर्तन का कार्य एक जनवरी से शुरू हो जाएगा। इस दौरान खंडवा से सनावद तक बिछी मीटरगेज लाइन पर ट्रेनों का संचालन रेलवे द्वारा बंद कर दिया जाएगा। इस पूरे ट्रैक पर शीघ्र ही ब्रॉडगेज लाइन बिछाने का कार्य शुरू होगा। करीब ६३ किमी लंबी इस मीटर गेज रेल लाइन की जगह ब्रॉडगेज लाइन परिवर्तन के चलते लगभग दो साल तक यह ट्रैक बंद रहने की संभावना है लेकिन महू से सनावद व सनावद से महू तक मीटरगेज ट्रैक पर ट्रेन दौड़ती रहेगी। रेलवे ने एक जनवरी से इन स्टेशनों के बीच ट्रेनों की नई समय सारणी घोषित कर दी है। अब यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए नई ट्रेनों की नई समय सारणी याद रखना होगा ताकि उनकी ट्रेन न छूटे। रेलवे के जानकारों की माने तो पुराने समय के मुकाबले ट्रेनों के नवीन समय में लगभग आधे से डेढ़ घंटे तक का परिवर्तन आया है। साथ ही ट्रेनों के फेरे भी कम किए गए हैं। वर्तमान में प्रतिदिन ६ ट्रेनें इस ट्रैक से होकर लगभग १२ फेरे लगाती है। इसमें ४ ट्रेन महू अकोला महू तो लगभग २ ट्रेन महू खंडवा महू जाती है लेकिन इस ट्रैक के बंद होने के बाद पूर्व निर्धारित ट्रेनों के समयसारणी और गंतव्य स्थान भी बदल जाएंगे। एक जनवरी से ट्रेन महू से खंडवा जाने के बजाय सनावद तक ही चलाई जाएगी लेकिन नए वर्ष से विभाग ने दो ट्रेनें रद्द कर दी है। इसके चलते अब चार ट्रेनें ही इन ट्रैक पर ८ फेरे लगाएगी। महू से सनावद के लिए सुबह लगभग ६, ९ दोपहर २ बजे व शाम ७.३० बजे ट्रेन चलेगी। इसी तरह सनावद से महू के लिए सुबह लगभग ६, ९ दोपहर २ व शाम ७.३० बजे ट्रेनें निकलेगी।

9 हजार यात्री होंगे प्रभावित

ट्रेन के बंद होने का असर सबसे ज्यादा बड़वाह, मोरटक्का व सनावद स्टेशन के यात्रियों पर पड़ेगा। इन तीनों स्टेशनों से प्रतिदिन ३०० व प्रतिमाह ९००० से अधिक यात्री खंडवा के लिए सफर करते हैं लेकिन मार्ग बंद होने के बाद पर्वों के दौरान बड़ी संख्या में ओंकारेश्वर आने वाले श्रद्धालुओं व प्रतिदिन सफर करने वाले यात्रियों को भी परेशानी होगी। बड़वाह से प्रतिदिन बीएड अध्ययन के लिए खंडवा जाने वाले शिक्षक जितेंद्र परिहार, महेश खत्री, राजेंद्र चौहान, कपिल तारे ने बताया ट्रेन खंडवा के लिए सबसे सुलभ व सस्ता साधन है। वहीं महू से सनावद मीटरगेज लाइन को ब्रॉडगेज में परिवर्तन के लिए शीघ्र कार्य प्रारंभ होना चाहिए। ब्रॉडगेज लाइन के बिछने के साथ ही खंडवा-सनावद के बीच ट्रेनों की रफ्तार बढ़ जाएगी। इससे यात्रियों के समय की बचत होगी। हालांकि ब्रॉडगेज परिवर्तन में २ साल का समय लग सकता है। इसके चलते प्रतिदिन ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामान करना पड़ सकता है। खंडवा-सनावद ट्रैक की ब्रॉडगेज स्वी.ति के पीछे एनटीपीसी द्वारा निर्माणाधीन सेल्दा-बालाबाद स्थित सुपर थर्मल पावर प्लांट है। कोयले की आपूर्ति के लिए रेल सुविधा की जरूरत है। ब्रॉडगेज लाइन बिछाने के लिए एनटीपीसी द्वारा रेलवे विभाग को आवश्यक धनराशि दी गई थी।

विजयाराजे सिंधीया शापिंग कॉम्पलेक्स चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट

खंडवा (श्री मंगलम्)- खंडवा मे मोघट थाने के सामने बना स्व. राजमाता विजयाराजे सिंधिया शॉपिंग कॉम्प्लेक्स नगर निगम के भ्रष्टाचार कि भेट चढ़ा हुआ नजर आ रहा है, यहां पर फैली अव्यवस्थाये इसका प्रमाण दे रही है। शासन द्वारा किसी भी शहर मे शॉपिंग काम्पलेक्स का निर्माण इसलिए करवाया जाता है कि शहर मे विकास और शहरवासियो को किसी भी आवश्यक वस्तु के लिए शहर से बाहर ना जाकर शहर मे हर वस्तु उपलब्ध कराई जा सके और शासन को भी इससे लाभ मिले। यहां शासन के ही कुछ नुमाइंदे अपने थोड़े से फायदे के लिए शासन को ही चूना लगाने से बाज नही आते है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना आसान नजर नही आता है। शासन कई कड़े फैसले लेकर भ्रष्टाचार को खत्म करने मे लगी है पर शासन के ही कुछ नुमाइंदे शासकीय योजनाओ को ढाल बनाकर राजस्व को चूना लगाने के लिए हमेशा तैयार रहते है। देखा जाये तो शॉपिंग कॉम्पलेक्स का निर्माण कराकर दुकानो की निलामी की जाना चाहिए, परन्तु यहां बने सिंधिया शॉपिंग कॉम्पलेक्स कि सारी दुकाने अभी तक खाली पड़ी है, जिससे राजस्व नुकसान उठा रहा है। करोड़ो कि प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कर निगम ने यह शॉपिंग कॉम्पलेक्स का निर्माण कराया ताकि यहां पर विभिन्न दुकाने खोली जाकर खंडवा कि जनता को शॉपिंग के लिए अवसर मिले। परन्तु यह शॉपिंग कॉम्पलेक्स खंडहर बनता दिखाई दे रहा है। सिंधिया शॉपिंग कॉम्पलेक्स का डिजाइन निगम ने इस प्रकार कराया गया है कि बारिश के मौसम मे लोगो कि यहां जान भी जा सकती है, जिसका टेग खुद नगर निगम ने इस कॉम्पलेक्स मे लगाया है। शॉपिंग कॉम्पलेक्स मे ग्राउंड प्लोर बताकर बेसमेंट मे जिन दुकानो का निर्माण कराया गया है वहां बारिश मे पानी भरने के कारण नदी बन जाती है जिसकी पुष्टी नगर निगम खुद करता है। शॉपिंग कॉम्पलेक्स के बेसमेंट मे बनी 9 दुकाने व्यर्थ है, क्योकि यहां कोई भी व्यापारी दुकाने लेना नही चाहता। बल्कि 9 दुकानो मे से निगम द्वारा 3 दुकानो कि निलामी भी कराई गई परन्तु दुकानदार इस कॉम्पलेक्स की अव्यवस्थाओ को देखकर अपना जमा पैसा नगर निगम से वापस चाहते है। जिसमे दुकान नंबर-7 के अनिल मालवीय ने भी अपने पैसे वापसी की मांग कि थी। परन्तु निगम द्वारा पैसे वापस नही होने पर दुकानदार मालवीय ने निगम पर केस कर दिया। जिसके बाद नगर निगम को अनिल मालवीय के दुकान को । ब्लॉक मे परिवर्तित करना पड़ा। ऐसे ही दुकान नंबर-9 के दिनेश सुनगत कि भी दुकान को । ब्लॉक मे परिवर्तित कर दिया गया। वर्तमान मे दुकान नंबर-6 के व्यापारी भी अपनी जमा राशि नगर निगम से वापस लेना चाहते है। इस प्रकार देखा जाये तो निगम ने शासन को करोड़ो का चूना लगाया है। जबकि

दुकानदारों के साथ नगर निगम की मनमानी

शॉपिंग कॉम्पलेक्स निर्माण के पहले मापदंड अनुसार भविष्य मे शासन के फायदे को देखते हुए कराया जाना था। परन्तु इस शॉपिंग कॉम्पलेक्स के निर्माण को देखकर यहां प्रतीत हो रहा है कि यह शॉपिंग कॉम्पलेक्स मात्र अधिकारियो के लिए धन उगाही एवं भ्रष्टाचार करने का जरीया था।

बेसमेंट को भरकर कि जाये पार्किंग की व्यवस्था-व्यापारियो ने निगम से मांग कि है बेसमेंट को भरकर यहां सुचारू पार्किंग कि व्यवस्था की जाना चाहिए, ताकि भविष्य मे किसी भी परेशानी का सामना दुकानदारो को ना करना पड़े। ब्लॉक । मे नवीन ऑटो पार्टस के प्रोपराइटर अनील मालवीय ने कहा कि इस कॉम्पलेक्स मे बेसमेंट प्लोर को मिट्टी से भरकर लेवल कर देना चाहिए और यहां पर पार्किंग की कोई व्यवस्था नही है अतः पार्किंग व्यवस्था भी कि जानी चाहिए। मालवीय ने बताया कि इस शॉपिंग कॉम्पलेक्स मे गंदगी का अंबार लगा हुआ है। निगम हमे दुकान देकर भूल गया है इस शॉपिंग कॉम्पलेक्स कि निगम द्वारा कभी साफ-सफाई नही कराई जाती है। जबकि देश मे स्वच्छता अभियान के तहत् शौचालाय निर्माण कि बात कि जाती है। परन्तु इस शॉपिंग कॉम्पलेक्स का शौचालाय गंदगी से भरा रहता है। शहर को स्वच्छता का वादा करने वाले नगर निगम के खुद की आखो के नीचे कितना अंधेरा है इस शॉपिंग कॉम्पलेक्स की हालात को देखकर इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

जर्जर हो रही शॉपिंग कॉम्पलेक्स की छत

-सिंधिया शॉपिंग कॉम्पलेक्स का छत भी टूट-फूट गया है जो अगुणवत्ता का मटेरियल लगाकर बनाना दर्शा रहा है। नगर निगम इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नही दे रहा है। जिस कारण दुकानदारो को भी अपना लगाया हुआ पैसा डूबता हुआ दिखाई दे रहा। क्योकि इस कॉम्पलेक्स कि बाकि दुकाने भी निलाम नही कि जा रही है। जिस कारण अव्यवस्थाये इस शॉपिंग कॉम्पलेक्स मे फैली हुई है। जल्द इसका निराकरण नही किया गया तो हो सकता है कि यहां भविष्य मे कोई दुकानदार दिखाई ना दे।

इनका कहना हैं-

अभी मै हरदा आया हुआ हूं, आप मुझे आकर ऑफिस मे मिलो, जो भी निराकरण होगा करूंगा।

आयुक्त नगर निगम

नोट बदले या इंसान नहीं खत्म होगा भारत देश से भ्रष्टाचार

संपादकीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 नवम्बर को 8 बजे नोटबंदी का फैसला सुनाया था। नोटबंदी में पुराने 500 और 1000 के नोट को बैंक में जमा करके बदलने के लिए 50 दिन का समय दिया था, जिसकी अंतिम तिथि निकल चुकी हैं। प्रधानमंत्री द्वारा लिए इस कड़े फैसले का कारण देश से कालाधन और भ्रष्टाचार को खत्म करना रहा हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नोटबंदी का फैसला कालेधन को खत्म करने में कितना कारगर रहा इसका अंदाजा आम इंसान को लगाना मुश्किल है। क्योंकि यह कलाधन उन्ही लोगों के पास रहा हैं जो भ्रष्टाचार करते आये है और भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा देने से भी नही चूकते हैं। भ्रष्टाचार करना मंत्रियों और शासकीय कर्मचारी, अधिकारियों के लिए आम बात हैं। असल में देखा जाये तो प्रधानमंत्री के इस फैसले से आम जानता को कोई फर्क नही पड़ा है क्योंकि कुछ गिने चुने नोटों को आम इंसान धक्का मुक्की-खाकर, लाइन में लगकर या व्यपारियों को कुछ कमीशन देकर भी बदलवा लिए है। हकीकत पर गौर फरमाये तो 50 दिन लगातार बैंक की लाइन में आम इंसान खड़े भी नही रह पाए, क्योंकि गिने-चुने नोट जिन आम इंसान के पास थे 10 से 15 दिन के अंदर ही थोड़ी बहुत परेशानियों का सामना करके अपनी व्यवस्था कर ली और अपनी दिनचर्या में लग गए। देखा जाये तो आज से पुराने नोट की चिंता भी आम इंसान के जीवन से खत्म हो जाएगी। देश की रक्षा करने के लिए जैसे सैनिक सरहद पर शहीद होते हैं वैसे ही प्रधानमंत्री के इस फैसले से देश की जनता में भी कुछ लोग शहीद हुए। जिसको लेकर विपक्षी पार्टी और आम जनता ने भी विरोध जताया। इस फैसले को लेकर आम इंसान जो परेशान था, कुछ हद तक इसका विरोध करना तो वाजिब था, परन्तु विरोधी पार्टियों के विरोध को लेकर तरह-तरह की बातें देश में होती रही। नोटबंदी के इस प्रकार के फैसले इसके पहले भी कई देशों ने लिए थे, जिसके कारण उन देशों में भुखमरी फैल गई, लोग सड़कों पर उतर आये और उन्हे अपने फैसले के कारण सत्ता छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। कुछ ऐसे भी देश रहे जिन्होंने अपने नोटबंदी के फैसले को मजबुरीवश वापस ले लिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस फैसले के बाद भी भारत की अर्थव्यवस्था पर कोई असर नही पड़ा। बल्कि उसके बाद

कुछ कालेधन वाले लोग कॉकरोज की तरह अँधेरे से बाहर आने को मजबूर हो गए और कालेधन को सफेद करने के लिए प्रधानमंत्री की हर शर्त को मनाने को तैयार हुए। इन लोगों में कोई नेता या अफसर नही मिले, जिसे कालाधन होने के जुर्म में कार्यवाही कर जेल भेज सके। इसके विपरीत कई लोगों के पास से नए नोट घरों में और नोटों से भरी गाडियां शासन के हत्थे चढ़ी और लाखो करोड़ों में 2000 के नए नोट लागू होने के कुछ दिन बाद ही बरामद किये गए। इससे अंदाज लगाया जा सकता है कि सोने की चिड़िया कहा जाने वाला भारत देश कितना मजबूत हैं और देश के मंत्री और अफसर कितने शातिर और चोर है जो किसी भी तूफान का सामना करना बखूबी जानते हैं। हैरत की बात तो यह है की भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसने और कालाधन बाहर निकालने के लिए नोटबंदी का फैसला जो मोदीजी ने लिया उनमे से एक भी भ्रष्टाचारी कॉकरोज की लाइन में बाहर नही नजर नही आये, असल में ये भ्रष्टाचारी नेता, मंत्री शासन के नुमाइंदे, अफसर और शासकीय कर्मचारी हैं। इनके लिए 50 दिन का समय काफी था अपने कालेधन को सफेद करने के लिए और प्रधानमंत्री के इस फैसले के अगर हजारों करोड़ रूपए में आधे नष्ट भी हो जाए तो क्या फर्क पड़ता है, आखिर है तो काला ही धन, जो भ्रष्टाचार कर अवैध तरीके से उगाही किया गया है। असल में कोई मेहनत का तो है नही जो माथे पर चिंता की लकीरें बन जाये।

50 दिन में नोटबंदी का सकारात्मक और नकारात्मक नजरिया नोटबंदी से क्या हुआ सकारात्मक -8 नवंबर को विमुद्रीकरण का फैसला प्रधानमंत्री ने लिया, जिसका सकारात्मक कारण कालेधन को समाप्त करना और भ्रष्टाचार खत्म करना हैं। इस फैसले के बाद देश में कुछ लोगों ने डर के कारण कालेधन को समाप्त करनें कि कोशिश कि और कुछ लोगो ने कालेधन को राजस्व में जमा कर बदलनें के लिए भी हजारों करोड़ रूपये का फायदा शासन को दिया। इस फैसले में 150 करोड़ जनसंख्या वाले देश में 1 से 2 लाख लोगों को टारगेट बनानें कि बात प्रधानमंत्री ने कही थी। प्रधानमंत्री ने गरीब और आम जनता कि सराहना करके 2 लाख कालेधन वालों पर शिकंजा कसनें के लिए कहा था, इस फैसले में 10 प्रतिशत तक शिकंजा कसा भी गया। विरोधी पार्टियों के विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने अपना सख्त रूख अपनाते हुए कहा कि ''ना मै खाऊंगा और ना कि खाने दूंगा''। इस सोच के साथ लिया हुआ फैसला कुछ हद तक कालेधन को खत्म करनें में कामयाब रहा, परन्तु नोट बदलनें का खेल देश की हर बैको में कमीशन लेकर गैरकानूनी तरीके से कालेधन को सफेद बनाना भारत के चालबाज बेहतर जानते थे।

नोटबंदी से क्या हुआ नकारात्मक-विमुद्रीकरण के इस फैसले ने देश के आमजनता की तकलीफेंऔर ज्यादा बढ़ा दी हैं, यह कहना कोई मुश्किल बात नही है क्योंकि जिस आम जनता को शासन नें 2000 रूपये तक लिमिट कैश निकालनें के लिए दिया है। इस फैसले को लेकर माना जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह अंदाजा है कि देश की आम जनता की हद एक दिन के लिए बस इतना ही है। आम इंसान के लिए 50 दिन कि परेशानी तो कोई बात नही नोट बदल ही गया, पर इसके बाद जो 2000६. रूपये का नोट आम जनता को मिल रहा है। उसके खुल्ले की मारामारी से आम इंसान को बहुत किल्लते मिलती रहेंगी। आम जनता जो 4000/. रूपये में पूरा महीना अपना घर चलाते है, उसे अगर यह नोट मिलेगा तो कहां से उसके खुल्ले करा पाएंगें। इसका इंतजाम प्रधानमंत्री को पहले ही करना चाहिए, क्योंकि 2000/. रूपये के नोट कि जरूरत तो उन्ही को पड़ेगी जिनके पास अथाह कालाधन हैं। आम जनता को तो नमक, आटा और दूध लानें के लिए रोजाना 100/ रूपये कि ही जरूरत पड़ती है।

(ऊँ गिरी)

एसडीएम ने शराबी छात्रावास अधीक्षक को रंगेहाथ पकड़ा

खंडवा (श्री मंगलम्)- बुधवार रात्री ८ बजे हरसूद एसडीएम क्षितिज सिंघल औचक निरीक्षण के लिए अजजा बालक छात्रावास आशापूर (जोगीबेड़ा) पहुंचे। यहां उन्होंने छात्रावास अधीक्षक और भृत्य को मद्यपान करते रंगे हाथों पकड लिया। एसडीएम सिंघल दोनों को अपने वाहन में बैठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हरसूद ले आये। अधीक्षक व भृत्य का मेड़िकल चैकअप कराया। दोनों ही शराब के नशे में पाये गये। मामले की प्राथमिकी स्वयं एसडीएम ने दर्ज करायी। इस अवसर पर नायब तहसीलदार एमएस राजपूत भी मौजूद थे। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्राम रजूर में ग्रामीणों की चौपाल लेकर हरसूद लौट रहे एसडीएम क्षितिज सिंघल अचानक जोगीबेडा बालक छात्रावास निरीक्षण के लिये पहुंच गये। छात्रावास में अधिक्षक विनोद कुमार गुप्ता व भृत्य राजेन्द्र यादव शराब पी रहे थे। एसडीएम को देखकर घबरा गये। सिंघल ने उन्हे शालीनता से गाडी में बैठने के निर्देश दिए। कुछ देर आनाकानी के बाद दोनों ही वाहन में बैठ गए। तत्काल हरसूद बीएमओ डॉ. महेश जैन व डॉ.आशीषराज मिश्रा को अस्पताल पहुंचने के लिए कहा। चिकित्सक डॉ. मिश्रा अधिक्षक व भृत्य की एमएलसी की। एमएलसी के दौरान अधिक्षक गुप्ता एसडीएम से माफ करने की गुहार लगाते रहे। एसडीएम सिंघल ने अधिक्षक को फटकार लगायी और कहा कि तुम्हे शर्म आना चाहिए तुम पर १०० से अधिक विद्यार्थीयों की जवाबदारी है।

इनका कहना...

- जोगीबेडा छात्रावास में पूर्व में भी इस तरह की शिकायते मिली है। बुधवार को औचक निरीक्षण के दौरान अधिक्षक व भृत्य नशे की हालत में मिले। आवश्यक कार्रवाही हेतु जिलाधीश को अवगत कराया जायेगा।

क्षितिज सिंघल, एसडीएम हरसूद

गोवा का मजा चाहिए तो चाले आइए खंडवा की शान हैं हनुवंतिया

खंडवा। ये है मध्यप्रदेश का गोवा सिर्फ कहने के लिए नहीं, आप यहाँ आएंगे तो वही गोवा की ताजगी, बीच का एहसास और वाटर स्पोर्ट्स का आनन्द ले सकेंगे। खंडवा जिले का हनुवंतिया देश का पहला बैकवाटर का टूरिज्म स्पोर्ट हैं। इंदिरा सागर के किनारे करीब ७ एकड़ में एम. पी. टूरिजम का यह डेस्टिनेशन ऑफिसियल सी साइड का बेजोड़ उदाहरण हैं। ठहरने के लिए २० करोड़ की लागत से यहां ५ लग्जरी बड़ेन कॉटेज बनाये गए हैं। फाइड बोर्ड फर्नीचर से सजे हर एक कॉटेज में एक मिनी फ्रीज, एल.इ.डी., टी.वी., डी.वी.डी. प्लेयर और टी मेकर भी हैं। कॉटेज की खिड़की से बाहर देखने पर समन्दर जैसा नजारा दिखाई देता हैं। इतना ही नहीं लहरों के रोमांस के लिए यहां दो क्रूज और ४ स्पीड बोर्ड भी हैं। इस क्रूज का ४५ मिनिट का राउंड आपको म्यूजिक के साथ हसीन वादियों का शहर करवाकर पूरी तरह आनन्दित कर देगा और आप इन हसीन वादियों के सफर को ता-उम्र नहीं भूल पाएंगे। टूरिजम कॉर्पोरशन ने यहाँ लगभग १०३ कॉटेज स्विस टेंट भी लगाए हैं। इसमें हर एक रूम को डबल बेड रूम की तरह सजाया हैं। इसी के साथ टेंट में ए.सी. भी हैं और अटेच लेटबाथ भी सर्वसुविधा युक्त है, चारों तरफ समुद्र की तरह फैले कुदरत के नजारे को निहारने के लिए देशभर से लोग यहाँ आते हैं। पर्यटन ने पर्यटकों के लुफ्त के लिए यहाँ पतंगबाजी, वॉलीबॉल, कैम्प फायर, स्टार गेजिंग, साइकिलिंग, पैरामोटरिंग, पैरासैलिंग, हॉट एयर बलून, वर्ड वॉचिंग के कई आनन्दित खेल खेले जाते हैं। अगर हॉलिडे का प्लान बना रहे हैं तो मध्यप्रदेश के गोवा हनुवंतिया को जरूर ट्राय कर सकते हैं।

केरला से बुलाई गई ट्रेडिशनल बोट बनी हुई हैं पर्यर्टकों के आकर्षण का केंद्र

केरला के मजदूरों से बनवाई गई ट्रेडिशनल हाउस वोट की यह विशेषता हैं की यह ट्रेडिशनल वोट सिर्फ कश्मीर और केरला की डलझील में पाई जाती हैं और अब आप इस ट्रेडिशनल बोट को मध्यप्रदेश के गोवा यानि हनुवंतिया टापू में आप इस डलझील की रानी का पूरी तरह मजा ले सकते हैं। इस ट्रेडिशनल हाउस बोट में आपको ३ कॉटेज मिलेंगे जो पूरी तरह सर्वसुविधा युक्त हैं, इसके अलावा इसमें आपकी सेफ्टी के लिए हाउस बोट स्टाफ एवं सेफ्टी स्टॉफ उपलब्ध रहता हैं। इस बोट में एक कॉन्फ्रेंस रूम भी रहता हैं, जिस रूम से आप आनंदित नजारों का लुत्फ उठा सकेंगे।

हनुवंतिया का व्यंजन ट्रेडिशनल डायनिंग रूम हैं बेहद स्पेशल

हनुवंतिया के इस ट्रेडिशनल डायनिंग रूम में आप सभी प्रकार के लजीज व्यंजनों का मजा आप ले सकते हैं। साथ ही अगर आप का मन कॉटेज में ही व्यंजन का लुत्फ उठाने का हैं तो आप कॉटेज से आर्डर कर अपने पसन्दीदा व्यंजन को डायरेक्ट कॉटेज में ही उपलब्ध करा सकते हैं।

हनुवंतिया के नजारे हैं शूटिंग के लिए बेहद खास

हनुवंतिया में फिल्मी नजारे देखने लायक है। यह केरल की क्रूज, वोटिंग गेजिंग, साइकिलिंग, पैरामोटरिंग, पैरासैलिंग, हॉट एयर बलून, वर्ड वॉचिंग और पानी के अंदर के दृश्य काफी रोमांचित हैं और यहां आने वाले कलाकरों ने भी हनुवंतियां के खुबसूरत नजारों को निहारा, तो उन सभी का बस यही कहना था कि जल्द ही यहां फिल्म व टी.वी. चैनलो कि शूटिंग के लिए हम काफी एक्साईटेड हैं।

जिंदगी केवल मशीन की तरह नहीं है,
कुछ समय तो चाहिए आराम और घुमने के लिए।
जो आते हैं ऐसे टूर पर.....
उनकी काम करने की क्षमताऐं, कई गुना बढ़ जाती हैं,...

मुख्यमंत्री
शिवराज सिंह चौहान

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता सुंदर लाल पटवा का हृदयघात होने से निधन

पीएम मोदी ने अंतिम दर्शन कर दी श्रद्धांजलि

भोपाल (श्री मंगलम्)- मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता सुंदर लाल पटवा का बुधवार को निधन हो गया। श्री पटवा ९२ वर्ष के थेद्य हार्ट अटैक के कारण उनकी मौत हुई है। श्री पटवा मध्य प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री रहे। श्री पटवा का लंबा राजनैतिक सफर रहा है जिनके अनुभव का लाभ भाजपा को हमेशा मिलता रहा है। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के वो राजनैतिक गुरु रहे हैं। प्रदेश भाजपा में राजनीति का पाठ पढ़ाने वाले श्री पटवा के निधन से भाजपा सहित प्रदेश को क्षति पहुंची है।

सार्वजनिक एवं राजनैतिक जीवन का संक्षिप्त विकास क्रम -९४१ से इन्दौर राज्य प्रजा मण्डल एवं १९४२ से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सम्बद्ध. १९४७ से १९५१ तक संघ प्रचारक एवं १९४८ से संघ आंदोलन में सात माह जेल यात्रा. १९५१ से जनसंघ के सक्रिय कार्यकर्ता. १९५७ से १९६७ तक विधान सभा सदस्य एवं विरोधी दल के मुख्य सचेतक. १९६७ से १९७४ तक जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष. संचालक, राज्य सहकारी बैंक एवं राज्य सहकारी विपणन संघ. प्रदेश जनसंघ के कोषाध्यक्ष. ब्रिटेन के १९७४ के आम चुनावों का अध्ययन तथा गणमान्य लोगों से भेंट. १९७५ में म.प्र. जनसंघ के महामंत्री. २७ जून, १९७५ से २८ जनवरी, १९७७ तक आपातकाल में मीसा में निरूद्ध. जनता पार्टी कार्य समिति के सदस्य. १९७७ में विधान सभा सदस्य निर्वाचित होकर २० जनवरी, १९८० से १७ फरवरी, १९८० तक प्रदेश के मुख्यमंत्री. १९८० में सीहोर से विधान सभा सदस्य निर्वाचित होकर भा.ज.पा. के नेता एवं सदन में विरोधी दल के नेता। विधान सभा की विभिन्न समितियों के सदस्य तथा लोक लेखा समिति के सभापति. १९८० में तीन माह तक संयुक्त राज्य अमेरिका का भ्रमण एवं राष्ट्रपति चुनाव का अनुभव प्राप्त किया। १९८५ में पुनरू विधान सभा सदस्य चुने गए तथा लोक लेखा समिति के सभापति एवं सामान्य प्रयोजन समिति के सदस्य रहे। १९८६ से भा.ज.पा. के प्रदेशाध्यक्ष. वर्ष १९८९ में हुए अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के अवसर पर शविधान गौरवश की उपाधि से सम्मानित।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश में दिवंगत वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी आज दोपहर को संक्षिप्त प्रवास पर पहुंचे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मोदी विशेष विमान से यहां राजा भोज हवाईअड्डे पर पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनकी अगवानी की।

बता दें कि पटवा का आज सुबह यहां निधन हो गया। उनकी पार्थिव देह यहां अंतिम दर्शनों के लिए प्रदेश भाजपा कार्यालय में र्ला गई है। भाजपा नेता, कार्यकर्ता और आम जन यहां प्रदेश भाजपा कार्यालय में दिवंगत नेता पटवा के अंतिम दर्शन कर सकेंगे। प्रधानमंत्री मोदी पटवा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद वापस दिल्ली लौट जाएंगे।

दुसरों के हिस्से का खाइयो मत, अपने हिस्से का दे दीजिए-श्यामजी

खालवा (श्री मंगलम्)- मनुष्य की वृत्ति होती हैं कि वह दु:ख को तो हजार गुणा करके भोगता हैं। लेकिन सुख को पूरी तरह रोक नहीं पाता। सुख में भी दुख का अनुभव करते रहता है चिंता में लगा रहता हैं कि कहीं हमारे सुख को किसी की नजर ना लग जाए। सुख के दिनों में भी आनंद के दिनों में भी प्रशन्नता के दिनों में भी वह भय के कारण सुख का सदुपयोग नहीं कर पाता। जीवन में कभी सुख और आनंद के क्षण आए धर्म के क्षण आये, पुण्य के क्षण आये उनको खोना नहीं चाहिए, उनका सदुपयोग करना चाहिए। इसी प्रकार भोजन करना और भोजन कराना दोनों यज्ञ हैं। अन्न को ब्रह्म कहा गया हैं। इसलिए दुसरो के हिस्से का खाइये मत, अपने हिस्से का दे दीजिए।यह बात विकासखंड मुख्यालय पर चल रही श्रीराम कथा के चौथे दिन अंतराष्ट्रीय कथावाचक मानस मर्मज्ञ कथाकार पंडित श्याम स्वरूपजी ने कथा के दौरान अपने मुखारबिन्द से कही। उन्होंने कहा कि जब आप मंदिर की परिक्रमा कर रहे हो जब आप भागवत की परिक्रमा कर रहे हो रामायण, गोमाता, यज्ञ कुंड की परिक्रमा कर रहे हो तो थोड़ा अपने भाग्य पर इतराना कि यह मेरा भाग्य हैं। कि मैं इन सब की परिक्रमा कर रहा हूँ। अन्यथा दुनिया में न जाने कितने लाखों लोग थाना कचहरी के चक्कर काट रहे हैं। मेरा भाग्य ऐसा है कि मैं योग्य व्यक्तियों को प्रणाम करता हूँ। भगवान के सामने नमन कर शीश झुका कर हाथ जोड़ता हूँ। लेकिन कुछ अभागे ऐसे भी हैं कि अपात्रों के चरण चाटते चाटते उनकी जिंदगी बीत गई। भगवान ने हाथ दिए हैं, हाथ भगवान संत महात्मा, नारायण, शास्त्र पुराण, मंदिर, गौ माता के सामने जोड़ें। कभी भाग्य मिले कलश यात्रा में शामिल होने का अपने माथे पर कलश रखने का कभी शोभा यात्रा में अपने कंधे पर हनुमान जी का ध्वज रखने का तो भी अपने भाग्य पर इतराना की आज मेरे माथे पर गंगा मैया हैं। रामायण हैं। भागवत हैं। कही लोग होंगे जो बोझा ढोते ढोते मर गए। जब पितृ प्रसन्न होता हैं। कुलदेवी की कृपा होती हैं और इष्ट फलित होता हैं। जब जाकर जीवन में धर्म के अवसर आते हैं। वही कथा के चौथे दिन सैकड़ों की संख्या में क्षेत्र के श्रद्धालु श्रीराम कथा का श्रवण करने पहुंचे।

झारखंड में कोयला खदान धंसी, 50 मजदूर फंसे सात शव निकाले गए

रांची (श्री मंगलम्)- झारखंड में गोड्डा जिले के राजमहल कोयला खदान धंसने से ४०-५० लोग एवं वाहन फंस गए हैं। इस हादसे में करीब ५० खनिकों के खदान में फंसे होने की आशंका है और अभी तक सात शव निकाले जा चुके हैं। पुलिस ने आज बताया कि खनन हादसा कल रात हुआ और बचाव अभियान जारी है। मुख्यमंत्री रघुबर दास ने कहा कि उन्होंने बचाव और राहत प्रयासों में तेजी लाने के आदेश दिए हैं। उन्होंने ट्विटर पर कहा कि सभी वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर रहने को कहा गया है। वहीं, पीएम मोदी ने इस हादसे पर दुख जताया है। मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का ऐलान किया गया है। गोड्डा जिले के इसीएल की राजमहल कोल परियोजना के ललमटिया स्थित भोड़ाय साइट में गुरुवार रात खदान धंसने से करीब ५० लोग ३०० फीट खाई में दब गए। अभी भी ये लोग खदान में फंसे हुए हैं। खदान में २० वोलबो, एक डोजर, छह पोकलेन वोलबो, एक बोलेरो भी धंस गया। रात में कोहरे और ठंड के कारण राहत कार्य व्यापक पैमाने पर शुरू नहीं हो सका। एनडीआरएफ की टीम आने के बाद राहत और बचाव कार्य व्यापक पैमाने पर शुरू होंगे बताया जाता है कि परियोजना के इंजीनियर ने तीन दिन पहले इसीएल के सीजीएम और सर्वेयर को इस खदान में दरार आने की सूचना दी थी, लेकिन उस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। घटना की सूचना फैलते ही आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गये। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है।

डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के दफ्तर से कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों की हुई चोरी

नई दिल्ली (श्री मंगलम्)- दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के कैंम्प ऑफिस में चोरी का मामला सामने आया है। चोरी का पता शुक्रवार(३० दिसंबर) सुबह कार्यालय खुलने पर चला। यह चोरी सिसोदिया के पटपड़गंज के ईस्ट विनोद नगर स्थित कैंम्प ऑफिस में हुई है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार उनके ऑफिस से २ कंप्यूटर, कई महत्वपूर्ण कागजात और खाली लेटर हेड चोरी में गए हैं।

अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार चोरी दफ्तर का ताला तोड़कर की गई है। आज सुबह जब लोग ऑफिस पहुंचे तो देखा कि ताला टूटा हुआ है और कई सामान गायब थे। इसी साल जुलाई में ससिोदयिा के मीडयिा एडवाइजर के घर भी हुई थी चोरी सुबह ८ बजे १०० नंबर पर कॉल करके पुलिस को जानकारी दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुटी है। बता दें कि इसी साल जुलाई में मनीष सिसोदिया के मीडिया एडवाइजर अरुणोदय प्रकाश के घर से भी कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों की चोरी हुई थी।

सामुहिक जनेऊ व सामुहिक विवाह का आयोजन 11 जनवरी से

खंडवा (श्री मंगलम्)- अखिल भारतीय सिंधी साधु समाज की प्रेरणा व स्वामी संतोषदास उदासी के सानिध्य में नवजवान सिंधी सेवा मंडल के सौजन्य एवं श्री मोहनधाम विवाह समिति चालीस गांव के तत्वावधान में देश भर के सिंधी समाजजनों हेतु श्री मोहनधाम मंदिर चालीसगांव के तीन दिनी वार्षिकोत्सव के दौरान सामुहिक जनेऊ (जण्या) एवं सामुहिक विवाह का आयोजन ११ से १३ जनवरी तक होगा। यह जानकारी देते हुए राष्ट्रीय सिंधी युवा समाज प्रदेश ज्वाईंट सेकेट्री निर्मल मंगवानी ने बताया कि ११ जनवरी को चालीसगांव स्थित स्वर्गीय कन्हैयालाल बजाज प्ले ग्राउंड पर प्रात: ९ बजे समाज के बालकों का सामुहिक जनेऊ संस्कारों का आयोजन होगा। गुरूवार १२ जनवरी को दोपहर में सामुहिक विवाह का आयोजन होगा। १३ जनवरी को वार्षिकोत्सव का समापन संतों के आशीर्वाद के साथ होगा।

डिजिटल लेन देन पर साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

बीड़ (श्री मंगलम्)- डिजिटल लेन देन पर साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में किसानों को कैशलेस पद्धति से बैंकिंग और अन्य बिमा योजनाओं के विषय में जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष राजीव सलूजा के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नाबार्ड अधिकारी राजेन्द्र परसाई द्वारा उपस्थित सभी किसानों को कैशलेस बैंकिंग से जोड़ने पेंशन एटीएम कार्ड के फायदे और अन्य प्रकार से भुगतान करने हेतु महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई गई। इस अवसर शशि कपुर जिला सहकारी बैंक डायरेक्टर ने फसल बीमा करने पर जोर दिया। इस दौरान सुरेंद्र टूटेजा भाजपा जिला उपाध्यक्ष, अनिल जैन, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जिला कार्यसमिति सदस्य दिनेश दुबे, सरपंच बालकृष्ण अग्रवाल सहित क्षेत्रीय किसान मौजूद थे।

नर्मदा सेवा यात्रा को लेकर बैठक संपन्न

मथेला (श्री मंगलम्)- नमामि देवी नर्मदे नर्मदा सेवा यात्रा २०१६ जो कि ११ दिसंबर २०१६ से अमरकंटक से शुरू हो चुकी है। इस यात्रा के खंडवा जिले के पुनासा विकासखंड में ग्राम गोराडिया मे आगमन २ फरवरी २०१७ को होगा। जिसकी तैयारी को लेकर विकासखंड स्तरीय बैठक का आयोजन जनपद अध्यक्ष श्रीमती गुंजा बाई ज्वाहीरीलाल की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। इस बैठक में नमामि देवि नर्मदे नर्मदा सेवा यात्रा के खंडवा जिले के प्रभारी एवं राज्य मंत्री गौ एवं पशु पालन संवर्धन बोर्ड के उपाध्यक्ष संतोष जोशी जी के द्वारा यात्रा सम्बन्धित जानकारी देते हुए यह निर्देश दिये की यात्रा का सहृदय स्वागत करे। इस यात्रा के जरिये नर्मदा जी प्रदूषण मुक्त करने एवं तटों पर वृक्षारोपण के लिये आमजन में जारूकता पैदा करना। यात्रा में शामिल होने के लिये सभी को पीले चावल देकर आमंत्रित करना बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी वरद मुरती मिश्रा, श्रीमति शीतला पटले ,एम एस वास्कले, जनपद पंचायत खंड स्तरीय समस्त अधिकारी, जिला समन्वयक सचिन शीम्पी, मूंदी नगर अध्यक्ष संतोष राठौड़,स्वामी शिवोओम भारती ,अद्वैतानंद महाराज परमहंस आश्रम ,नोडल अधिकारी कोसरीया जी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति समिति के सदस्य मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम विद्यार्थी आंगनबाड़ी कार्यकता उपस्थित थी।

अंधेकत्ल हत्याकांड का हुआ सनसनीखेज खुलासा

हत्यारों ने कत्ल कर बोरों में भरकर पुलिया पर फेंकी थी लाशें

खंडवा (श्री मंगलम्)।

कालीघोड़ी के जंगल में घोड़ापछाड़ नदी की पुलिया के नीचे दो संदिग्ध बोरे २२ दिसंबर २०१६ गुरूवार को शाम करीब पांच बजे फॉरेस्टगार्ड मनोज वास्तव को दिखाई दिये। कालीघोड़ी जंगल बीट के द्वारा पुलिस चौकी रोशनी पर सूचना दी गई कि बोरे में खून लगा दिख रहा हैं। सूचना संवेदनशील व गंभीर होने से चौकी प्रभारी रोशनी ने तत्काल खालवा थाने के निरिक्षक आर.एन.एस. भदौरिया को बताया। निरिक्षक भदौरिया द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना से अवगत कराते हुए तत्काल मौके पर रवाना हो गये। घटनास्थल पर एसडीओपी हरसूद श्री सिद्धिकी भी तत्काल पहुंचे। मौके पर पहुंचकर देखा गया तो नदी की पुलिया के नीचे पाइप के अंदर दो बोरे पड़े थे, जिनमें एक बोरे में मानव पैर दिख रहा था। जब दोनों बोरों कि शिनाख्त कि गई तो उसमें दो लाशें निकली। लाशों के पेट, सिर व गर्दन पर धारदार हथियार की गंभीर चोटें पाई गई। जिससे स्पष्ट हो रहा था कि अज्ञात मृतकों की हत्या कर शवों को बोरों में भर कर यहां लाकर फेंका गया हैं। तब मौके पर ही जीरो पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्जकर विवेचना व लाश पंचनामा कार्यवाही की गई। मौके पर ही जिले के एफएसएल अधिकारी मुजाल्दे की टीम को बुलाया गया व फोरेंसिक जांच व साक्ष्य संकलन कराया गया।

जांच के दौरान मृतकों में एक की जेब से वाहन का रजिस्ट्रेशन कार्ड निकला। जिस पर एम.पी.१२बीए११८६ नंबर पाया गया तथा दूसरे मृतक की जेब से आधार कार्ड मिला जिसमें रामजी पिता घासीराम नि. ग्राम डाबिया जिला हरदा से मृतक की पहचान हुई। उक्त आधार पर विवेचना करते दोनों मृतकों की शिनाख्त रामजी पिता घासीराम गोंड उम्र ३५ वर्ष और धरमा उर्फ धनंजय पिता अमरदास गोंड उम्र ३० वर्ष डाबिया थाना सिराली जिला हरदा के रूप में हुई।

पुलिस अधिक्षक द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर विवेचना टीम को आवश्यक निर्देश दिये। विवेचना में पाया गया कि दोनों मृतक दोस्त थे और शनिवार दिनांक १७ दिसंबर को धनंजय के दो पहिया वाहन एम.पी.१२बीए११८६ से गोलखेड़ा बाजार में देखे गये थे। उसके बाद उनकी कोई जानकारी नहीं मिल रही थी। उसके बाद मृतकों का जहां-जहां सम्पर्क व आना-जाना था, उसकी तस्दीक की गई, इसी दौरान मुखबीर की सूचना के आधार पर एवं अन्य सूत्रों से भी जानकारी के आधार पर संदेह के आधार पर शंकर से पूछताछ की गई पहले तो शंकर पुलिस को गुमराह करता रहा। प्रशासन द्वारा दबाव बनाने पर शंकर ने बताया कि १७ दिसंबर को रात्रि करीब ९ से १० बजे के बीच दोनों मृतक हीरो होण्डा स्प्लेण्डर मोटरसायकल एम.पी.१२बीए११८६ से शंकर के घर आए थे और मृतकों ने शंकर से उसकी बहन को लेकर अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। जिस कारण शंकर और उसके साथी ईश्वर ने मिलकर दराता व कुल्हाड़ी से दोनों की न्रशंस हत्या कर दी और अपने तीसरे साथी शोभालाल के साथ लाशों को बोरों में भरकर शोभालाल व मृतकों की मोटरसाइकिल से ले जाकर लाश के बोरों को कालीघोड़ी के जंगल में घोड़ापछाड़ नदी कि पुलिया के नीचे फेंक दिया और मृतकों की मोटरसाइकिल को जंगल में गाड़क़र छिपा दिया।

तीनों खुंखार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

शंकर पिता बनिया कोरकू उम्र २५ वर्ष, ईश्वर पिता श्रीरात कोरकू २६ वर्ष और शोभालाल पिता मोतीलाल कोरकू ३० वर्ष तीनों आरोपी निवासी ग्राम गोलखेड़ा थाना खालवा जिला खंडवा को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की निशानदेही से घटना में प्रयुक्त हथियार दराता, कुल्हारी, मृतकों की मोटरसाइकिल व अन्य वस्तुऐं बरामद की गई हैं। आरोपियों द्वारा वह स्थान भी बताया गया जहां उनके द्वारा मृतकों की हत्या की गई थी। आरोपियों को ३० दिसंबर २०१६ को माननीय न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमाण्ड में लिया गया हैं।

पुलिस अधिक्षक नवनीत भसीन व टीम की सक्रियता ने जल्द किया खुलासा

इस सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस अधिक्षक नवनीत भसीन कि सक्रियता और अति. पुलिस अधिक्षक, एसडीओपी के सतत निर्देश व मार्गदर्शन में नवागत आईपीएस श्री आशुतोष, निरिक्षक आर.एन.एस. भदौरिया, रोशनी चौकी प्रभारी आर.एस. मुझाल्दे, आर 225 भगवान, आर 110 मीणा द्वारा लगातार मेहनत कर खुलासा करने में सफलता प्राप्त की है।

शिक्षिका नीलम उपाध्यारा बनीं ठग, अपने ही सहपाठियों को बनाया निशाना

खंडवा (श्री मंगलम्)

महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिका निलम उपाध्याय पर कुद लोगों ने ठगी का आरोप लगाया हैं जिसकी शिकायत जिला कलेक्टर, आयुक्त (राजस्व) जिला शिक्षा अधिकारी को भी कि गई हैं निलम उपाध्याय एम. एल. बी. स्कूल में शिक्षिका के पद पर श्शासकीय कर्मचारी हैं जो अपने पुत्रों के नाम से समृध्द जीवन मल्टी परपस कॉपरेटिव सोसाइटी पूना और विश्वा मित्र ग्रुप ऑफ कंपनी कलकत्ता के लिए खातें खोलने का काम करती है। निलम उपाध्याय मासिक एवं फिक्स डिपोजिट योजनाओं में करीब लाखों रूपए लोगों से ल चुकी हैं यह लोगों से ऊंची ब्याज दरों पर झासा देकर इन दोनों कंपनियों के लिए लाखों रूपए इकट्ठा कर चुकी हैं। जबकि इन दोनों कंपनियों पर सिक्योरिटी एण्ड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने स्कीम में पैसा करने पर रोक लगा चुकी है शिकायतकर्ता के अनुसार निलम उपाध्याय अपनें दो पुत्रों के नाम से यह काम करती हैं। जबकि दोनों पुत्रों के हस्ताक्षर और इन कंपनियों के मिटिंग सेमीनार भी खुद ही अटेंड करती हैं कंपनी के हरदा स्थित कंपनी में जांच करनें पर यह पता लगाया जा सकता हैं कंपनी पर बेन लगाने के बाद भी शिक्षिका निलम उपाध्याय लोगों से माहवार राशि वसूल करती रही। जबकि समृध्द जीवन कंपनी पर वर्ष-२०१३ और विश्वा मित्र ग्रुप ऑफ कंपनी पर वर्ष-२०१५ से बेन लगाया जा चुका हैं। जब लोगों कि इसकी जानकारी मिली कि इन कंपनियों पर बेन लग चुका हैं फिर भी शिक्षिका निलम उपाध्याय ठगी से महावार पैसे वसूल रही हैं। तो विरोध जताते हुए जमा राशि वापसी कि मांग कि। जब जमा राशि कि मांग कि तो शिक्षिका निलम उपाध्याय मनमर्जी शर्तें उन पर लागू करने लगी जैसे कि महावार लोगों ने पैसा जमा किया तो महावार वापस करूंगी और बिना ब्याज के ही वापस करूंगी जबकि लोगों को ऊंचा कमीशन का झांसा देकर लोगों से पैसे जमा करवाने का काम करती रही। पैसे जमा करने वाले लोगों में कई एम.एल.बी. कि शिक्षिकाएं भी शामिल हैं। जब शिकायत के आधार पर जिला कलेक्टर ने जांच के आदेश दिये परन्तु जांच अधिकारी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोरगांव बुजूर्ग के प्राचार्य दिलीप कर्पे ने मामले कि लीपापोती कर दी। दिलीप कर्पे उक्त शिक्षिका निलम उपाध्याय के पति संजय उपाध्याय के खास मित्र है। संजय उपाध्याय विकासखंड शिक्षा अधिकारी खंडवा कार्यालय में बाबू के पद पर कार्यारत् हैं शिकायतकर्ता के अनुसार जांच के दौरान एम.एल.बी. खालवा स्कूल में जांच अधिकारी दिलीप कर्पे को शिक्षिका निलम उपाध्याय ने शानदार नाश्ता भी करवाया। जांच अधिकारी ने संस्था में पदस्थ आधे से भी कम शिक्षिकाओं से बयान लेकर जांच पूरी कर ली। जबकि शिक्षिका निलम उपाध्याय से मिलीभगत होने के कारण जांच अधिकारी ने खाते खुलवाने वाली शिक्षिकाओं से बयान नहीं लिये या तो विभाग के ही होने के कारण दबाव बनाकर मनमर्जी बयान लिखवा लिये और जांच रिपोर्ट में लीपापोती कर जांच बंद कर दी। इन दोनों कंपनियों के काम बंद होने के बाद भी शिक्षिका निलम उपाध्याय लगातार रूपयों की वसूली करती रही। ऐसे शासकीय कर्मचारी और अधिकारियो पर सख्त कार्यवाही कि जाना आवश्यक हैं ।

फर्जी कंपनी करार देकर लगाया बेन

समृध्द जीवन मल्टी परपस कॉपरेटिव सोसाइटी पूना और विश्वा मित्र ग्रुप ऑफ कंपनी कलकत्ता पर बोगस कंपनी करार देते हुए किसी भी नई स्कीम मे पैसा लगाने के लिए प्रतिबंध लगाया। मनी लाईफ डिजीटल टीम ने 6 नवंबर 2013 को समृध्द जीवन फूड्स के डायरेक्टर को खरीदारो से किसी भी नई स्कीम मे पैसा जमा करने पर रोक लगाई थी। आदेश के अनुसार खरीदारो से जमा हुए पैसो मे खरीदी संपत्ती ना ही बेच सकते है ना किसी और के नाम ट्रांसफर करवा सकते है। भारत सरकार ने अपने पत्र क्रमांक- ट11017ध93 दिसंबर 2015 द्वारा समृध्द जीवन कंपनी पर नाजायज रूप से 525 करोड़ रूपसे का घोटाला पाये जाने पर कंपनी के डायरेक्टर महेश मोतवार के सभी बैक अकाउंट सील कर दिये है। महेश मोतेवार, वैशाली मोतेवा और घनश्साम जसबाई पटेल हि समृध्द जीवन कंपनी के डायरेक्टर है। समृध्द जीवन मल्टी परपस कॉपरेटिव सोसाइटी पूना नए-नए नाम से कंपनियां खोलकर पैसा जमा करने पर सिक्यूरिटी एंड एक्सचेज बोर्ड ऑफ इंहिडया ने समृध्द जीवन पर कड़ा ऐतराज जताते हुए यह आदेश जारी किये है। इसी प्रकारविश्वा मित्र ग्रुप ऑफ कंपनी कलकत्ता को भी बोगस चिटफंड कंपनी घोषित किया गया। एस.ई.बी.आई. ने विश्वा मित्र ग्रुप ऑफ कंपनी के डारेक्टर्स को किसी भी नई स्कीम मे सितंबर 2015 से रूपये जमा करने पर रोक लगाई एस.ई.बी.आई के अनुसार विश्वा मित्र कंपनी के 106.7 करोड़ रूपये गैरकानूनी तरीके से 83000 खरीदारो से डिबेंचर के नाम पर जमा किया है। एस.ई.बी.आई. ने विश्वा मित्र कंपनी पर कंपनी एक्ट का उल्लंघन करना पाया है।

इनका कहना है-शिकायत पर जांच के दौरान स्कूल के लोगो से स्टेटमेंट लिया गया जिसमें पाया कि लोगो ने पैसा जमा किया है। नीलम उपाध्याय ने कई और लोगो से पैसा जमा करने के लिए बात की थी। पैसे लौटाने की बात पर शिक्षिका नीलम उपाध्याय ने कम्पनी के शर्तानुसार ब्याज देने से इंकार कर सिर्फ मूलधन ही इंस्टालमेंट मे वापस करने के लिए कहा था। मैने प्रतिवेदन डी.ओ. को भेज दिया है। जहाँ से 3,4 दिन पहले ही कलेक्टर को भी भेज दिया गया है।

खण्डवा से प्रकाशित समाचार पत्र के लिए खण्डवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी एवं अन्य जिलों में ब्यूरो नियुक्त करना है।

श्री सच का तीर मंगलम् समाचार पत्र

ग्रामीण क्षेत्रो में संवाददाता व मार्केटिंग हेतु मेहनती एवं लगनशील युवा शीघ्र संपर्क करें।

विज्ञापन एवं अखबार कि प्रतियों के लिए संपर्क करें :

कार्यालय : 78, शास्त्री नगर, गणेश मंदिर के पास, खण्डवा 450001 (म.प्र.)

Mob. : 9575888088, 9907788088

स्वत्वाधिकारी श्री मंगलम् कॉर्पोरेशन के लिए प्रकाशक एवं प्रधान संपादक ऊँ गिरी, 78 शास्त्री नगर खंडवा द्वारा प्रकाशित एवं विंध्यांचल प्रिंटिंग प्रेस, माल्हीकुंआ, खंडवा से मुद्रित। मोबाईल- 9907788088, ई मेल - shreemanglamlive@yahoo.com वेबसाईड- www.shreemanglamlive.com